उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 10 || अंकः33 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 15 सितंबर 2025

अंदर के पृष्ठों पर | आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए योगी सरकार की नई गाइडलाइन जारी 6 | टीईटी को लेकर अटेवा ने सासंद देवेंद्र सिंह भोले व विधायक सुरेंद्र मैथानी को दिया ज्ञापन 8

लंदन में हुई हिंसक घटना, प्रदर्शनकारियों से झड़प में 26 पुलिसकर्मी लहूलुहान

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। शनिवार 13 सितंबर को लंदन में दक्षिणपंथी कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन द्वारा आयोजित यूनाइट द किंगडम मार्च में भारी संख्या में लोग शामिल हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें 1.1 से 1.5 लाख लोगों ने हिस्सा लिया, जो ब्रिटेन के अब तक के सबसे बड़े दक्षिणपंथी प्रदर्शनों में से एक माना जा रहा है।रैली का मकसद आव्रजन (इमिग्रेशन) का विरोध करना था। लेकिन यह विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया और रॉबिन्सन समर्थकों व पुलिस के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने बताया कि उन्हें भीड़ को काबू करने में काफी मुश्किल हुई। इसी दौरान 26 पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। कई पुलिसवालों को घूंसे, लात और बोतलों से चोटें आईं, किसी के दांत टूट गए तो किसी की नाक और सिर पर गंभीर चोट पहुंची।

पुलिस के मुताबिक रैली में लगभग 1,10,000 लोग मौजूद थे। लेकिन ड्रोन और हवाई तस्वीरों से यह भी साफ दिखा कि मध्य लंदन की कई किलोमीटर लंबी सड़कें प्रदर्शनकारियों से भर गई थीं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि भीड़ इससे भी ज्यादा हो सकती थी।इसी बीच, टॉमी रॉबिन्सन ने दावा किया कि इस रैली में लाखों लोग पहुंचे थे।

कांग्रेस ने दिया अलगाव, हम दे रहे विकास : मोदी

» नुमालीगढ़ में पीएम मोदी ने किया बायो-इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन

» बीपीएस न्यूज

नुमालीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के नुमालीगढ़ में ?5,000 करोड़ के बायो-इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन किया, इसे विकसित असम, विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कांग्रेस पर अलगाववाद फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार असम को विकास, रोजगार और ऊर्जा आत्मनिर्भरता दे रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बने नए इथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद थे। इस उद्घाटन से पहले, पीएम मोदी ने दरांग में भी कई परियोजनाओं

का शिलान्यास किया था।

विकसित असम, विकसित भारत

नुमालीगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन विकसित असम, विकसित भारत की गौरव यात्रा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि असम को आज लगभग 18,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मिली हैं, जो राज्य के विकास को गति देंगी।

ऊर्जा के क्षेत्र में नई क्रांति असम

पीएम मोदी ने कहा कि असम भारत की ऊर्जा शक्ति को बढ़ाने वाला राज्य है, और यहां के पेट्रोलियम उत्पाद देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि जिस नए बायो-इथेनॉल प्लांट का उद्घाटन किया गया है, वह बांस से इथेनॉल बनाएगा, जो असम के लिए गर्व की बात है। इसके अलावा, एक पॉलीप्रोपाइलीन प्लांट का भी शिलान्यास किया गया है। पीएम के अनुसार, ये परियोजनाएं असम में उद्योगों को बढ़ावा देंगी, युवाओं और किसानों के लिए नए अवसर पैदा करेंगी, और भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

कांग्रेस पर सीधा हमला

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक असम और पूरे देश पर शासन किया, लेकिन उनके शासनकाल में विकास की रफ्तार धीमी रही और विरासत भी संकट में रही। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने असम और नॉर्थ-ईस्ट को अलगाव, हिंसा और विवाद दिए, जबकि बीजेपी की डबल इंजन सरकार असम की पुरानी पहचान को सशक्त कर रही है।उन्होंने कहा कि यह उनकी सरकार है जिसने असमिया भाषा को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा दिया और लाचित बोरफुकन की विरासत को सम्मान दिया। पीएम ने दावा किया कि बीजेपी की सरकार असम को विकास और विरासत दोनों से समृद्ध बना रही है।

जिनकी रगों में सिंदूर दौड़ रहा है, वही मैच करा रहे, भारत-पाक मैच पर तेजस्वी यादव का पीएम मोदी पर तंज

» बीपीएस न्यूज

बिहार। तेजस्वी यादव ने भारत-पाकिस्तान मैच के आयोजन पर पीएम मोदी पर तीखा तंज कसते हुए पूछा कि जिनकी रगों में सिंदूर दौड़ने की बात कही जाती थी, वही लोग अब यह मैच क्यों आयोजित करा रहे हैं। राजद नेता ने भाजपा और पाकिस्तान के बीच सुविधाजनक साझेदारी का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री से विरोधाभासी रिश्तों पर जवाब मांगा।

एशिया कप 2025 में आज होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की रगों में सिंदूर दौड़ रहा था, वही लोग इस मैच को आयोजित करा रहे हैं।

पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, तेजस्वी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री कहते थे कि उनकी रगों में सिंदूर दौड़ता है, उन्हें ही इस सवाल का जवाब देना चाहिए।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान, भारतीय जनता पार्टी का साझेदार है, क्योंकि दोनों के रिश्ते अपनी सुविधा के अनुसार बदलते रहते हैं।

तेजस्वी ने आगे कहा कि कभी युद्ध विराम होता है, तो कभी भारत-पाकिस्तान के बीच मैच होता है, और कभी खून और पानी के रिश्ते खत्म होने की बात कही जाती है। उन्होंने इन विरोधाभासों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन सब का जवाब प्रधानमंत्री मोदी को देना चाहिए।

तेजस्वी का यह बयान ऐसे समय आया ह

` जब हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहला क्रिकेट मैच है, जिसे लेकर देश में राजनीतिक और सामाजिक बहस छिड़ी हुई है।

खत्म हुआ नेपाल में राजनीतिक संकट, सुशीला कार्की ने संभाला पीएम का पद..

काठमांडो। पीएम केपी ओली के इस्तीफे और व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद, नेपाल का राजनीतिक संकट 73 वर्षीय सुशीला कार्की के पहली अंतरिम महिला प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने से समाप्त हो गया। कार्की ने अपनी छह महीने की सरकार की प्राथमिकताओं में देश को स्थिरता देना और भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच को प्राथमिकता बताया, जिसे चीन ने भी स्वागत योग्य कदम बताते हुए बधाई दी।नेपाल में कई हफ्तों तक चले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद, 73 वर्षीय सुशीला कार्की ने शनिवार को देश की पहली अंतरिम महिला प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला। इन प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से जेन जी के युवाओं ने किया था, जो भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के अचानक इस्तीफे के बाद, नेपाल में राजनीतिक अनिश्चितता का दौर चल रहा था। प्रदर्शनकारियों द्वारा उनके कार्यालय पर धावा बोलने और देशव्यापी अशांति के बाद, जिसमें 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, ओली को पद छोड़ना पड़ा। सुशीला कार्की की नियुक्ति के साथ इस राजनीतिक संकट का अंत हुआ। उन्होंने शुक्रवार रात शपथ ली और अगले दिन अपना कार्यभार संभाला।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच पर बवाल, ओवैसी ने उठाए सवाल, शिवसेना का विरोध-प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच पर पहलगाम आतंकी हमले के बाद गहरा विवाद खड़ा हो गया है, जहाँ ओवैसी ने केंद्र सरकार पर 26 नागरिकों की जान से ज्यादा मैच की कमाई को महत्व देने का आरोप लगाया है। यह विरोध प्रदर्शन राष्ट्रीय सम्मान और आर्थिक लाभ के बीच के गंभीर नैतिक संघर्ष को उजागर करता है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के पुराने बयान भी याद दिलाए जा रहे हैं।

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले देश दो खेमों में बंट गया है। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिकों की मौत और ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के कारण इस मैच को लेकर देशभर में कड़ी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई राजनेता और नागरिक इस मुकाबले के खिलाफ हैं।

ओवैसी का सरकार पर निशाना

एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मैच को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि जिस पाकिस्तान ने पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों को मार डाला, उसके साथ क्रिकेट मैच खेलने से इनकार करने का अधिकार सरकार के पास क्यों नहीं है? ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या इस मैच से होने वाली कमाई, हमारे 26 नागरिकों की जान से ज्यादा कीमती है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने बयान को याद दिलाते हुए ओवैसी ने कहा, जब आपने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते, बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं हो सकते, तो क्या बीसीसीआई को मिलने वाले 2000-3000 करोड़ रुपये का महत्व हमारे 26 नागरिकों की जान से ज्यादा है?

विपक्षी नेताओं का विरोध

कई विपक्षी नेताओं ने भी इस मैच का बहिष्कार करने का आह्वान किया है। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ताओं ने मुंबई में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी मांग को अनोखे तरीके से पेश करते हुए कहा कि वे हर घर से प्रधानमंत्री को सिंदूर भेजेंगी। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी महिला कार्यकर्ता इस मैच का विरोध करते हुए सड़कों पर उतरेंगी। यह विरोध इस बात पर जोर दे रहा है कि सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान आर्थिक लाभ से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर लगी विश्वकर्मा समाज की होर्डिंग, सपा और भाजपा के कामों की हुई तुलना

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों की आहट से पूर्व ही होर्डिंग्स वार शुरू हो गया है और 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा से पहले ही फर्क साफ है। होर्डिंग समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर लगाकर विश्वकर्मा समाज ने अपने मंसूबे साफ कर दिए हैं। होर्डिंग में फर्क साफ है तहत सपा और भाजपा के समय में विश्वकर्मा समाज को मिलने वाली सौगात की तुलना की गई है। समाजवादी पार्टी नेता इंजीनियर संदीप विश्वकर्मा की ओर से लगाई होर्डिंग में विश्वकर्मा समाज के मुद्दों पर समाजवादी पार्टी और भाजपा की तुलना की गई है। पोस्टर पर साफ लिखा फर्क साफ है।

विश्वकर्मा समाज को समाजवादी पार्टी और भाजपा से अब तक क्या मिला है, की उपलब्धियां गिनाई गई हैं। होर्डिंग के पहले कलम में समाजवादी पार्टी की सरकार की उपलब्धियां बताई गई हैं, जिसमे लिखा है कि विश्वकर्मा पूजा की सरकारी छुट्टी। विश्वकर्मा समाज से पहली बार मंत्री बनाना। समाज को राजनीतिक पहचान और सम्मान देना। इंटर पास युवाओं को आईटीआई की डिग्री उपलब्ध कराना। भदोही की नाबालिग लक्ष्मी विश्वकर्मा हत्याकांड में पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता। इन तमाम बातों के आगे हरे रंग का टिक लगाकर सपा की उपलब्धियों को गिनाया गया है। वही होर्डिंग के दूसरे हिस्से में भाजपा सरकार निशाना साधा गया है। इसमें आरोप लगाया गया है कि सपा सरकार में मिलने वाली छुट्टी और योजनाओं को भाजपा का ने खत्म कर दिया है। भाजपा के द्वारा की गई कार्रवाई के आगे रद्द और जीरो लिखा है।

भारत-पाकिस्तान मैच बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले दस छात्रों पर एफआईआर, फूंका था पुतला

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। एशिया कप में रविवार को होने वाले मैच के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंकने वाले दस छात्रों पर एफआईआर दर्ज की गई। लखनऊ शहर में लागू निषेधाज्ञा के बावजूद बिना अनुमति लखनऊ विश्वविद्यालय में बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले दस नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ हसनगंज थाने में दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर हसनगंज प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि शनिवार की दोपहर राष्ट्रीय छात्र पंचायत संगठन के छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट- 3 के पास भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका था। इस मामले में चौकी इंचार्ज लविवि शिशिर कुमार सिंह की तहरीर पर शिवम पांडेय, अमन बहादुर, हिमांशु तिवारी, अमन पटेल, रूद्र प्रताप सिंह, प्रियांशु पांडेय, अभय वर्मा, अंकित निषाद, विवेक पांडेय, अमन यादव, और चार-पांच अज्ञात युवकों के खिलाफ हसनगंज थाने में बीएनएस की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा जारी किए गए विधिवत आदेशों की अवज्ञा) के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। इस धारा के तहत आरोपी को छह महीने तक का कारावास या 2,500 रुपये तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं।

अपनी बात....

सपादकीय .....

प्रतिरोध की जानलेवा मौन महामारी

यह सर्वविदित है कि भारत में डॉक्टरी सलाह तथा बिना परामर्श के एंटीबायोटिक दवाएं लेना आम बात है। यह जानते हुए भी कि लगातार इन दवाओं के सेवन से उनकी रोगप्रतिरोधक क्षमता गहरे तक प्रभावित होती है। एक समय ऐसा आ जाता है कि रोगों पर ये एंटीबायोटिक दवाएं काम करना बंद कर देती हैं। इस चिंता को हाल में हुए एक अध्ययन ने बढ़ाया है। नये अध्ययन ने एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर किया है, जो बताता है कि भारत में एंटीबायोटिक दवाओं के दुरुपयोग के पीछे मरीजों की सोच एक प्रमुख कारक है। अधिकांश लोगों की धारणा है कि इन दवाओं के सेवन से वे स्वत- ही ठीक हो जाएंगे। उन्हें डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर निजी क्षेत्र के कुछ डॉक्टर भी अक्सर अपने मरीजों को बनाए रखने के लिये ऐसा करते हैं। वास्तव में इस प्रवृत्ति के परिणाम खासे चौंकाने वाले हैं। अध्ययन के मुताबिक भारत में अकेले निजी क्षेत्र में ही सालाना आधे अरब से ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लिखी जाती हैं। जिनमें बड़ी संख्या में ऐसी दवाइयां होती हैं, जिनकी वास्तव में जरूरत ही नहीं होती। आमतौर पर बच्चों में होने वाले दस्त के मामले में यह दुरुपयोग सबसे ज्यादा है। हालांकि, ज्यादातर मामले वायरल का प्रभाव होते हैं। ऐसी स्थिति में ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट और जिंक सकारात्मक परिणाम देते हैं। अध्ययन से पता चला है कि इसके बावजूद 70 फीसदी मामलों में अभी भी एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है। लेकिन हकीकत यह है कि अतार्किक मांग, कड़े कानूनों का अभाव और डॉक्टरों द्वारा जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने के कारण एंटीबायोटिक दवाइयों पर मरीजों की निर्भरता बढ़ती चली गई है। कालांतर एंटीबायोटिक दवाइयों पर लगातार बढ़ती निर्भरता के चलते एक घातक चक्र का निर्माण होता है। जो मरीज के शरीर में तमाम तरह के साइड इफेक्ट भी पैदा करता है।वास्तव में इससे बड़ा संकट यह है कि एक समय के बाद ये दवाइयां रोग के खिलाफ काम करना बंद कर देती हैं। कई तरह के रोग बढ़ाने वाले रोगाणु इनके खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। बहुत संभव है कि किसी महामारी के वक्त व्यक्ति का शरीर एंटीबायोटिक के इस्तेमाल के बावजूद सुरक्षा कवच न दे। निश्चित रूप से इस संकट से बचने का सरल उपचार यही है कि इसका उपयोग कम से कम किया जाए। सरकारों को भी कानून के जरिये इसका नियमन करना चाहिए। हमें इससे जुड़े आसन्न संकट को महसूस करना चाहिए। यह खतरा मरीज की व्यक्तिगत सुरक्षा से कहीं आगे तक विस्तारित है। गंभीर चिंता का विषय यह है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एएमआर दुनिया में सबसे घातक संकटों में से एक के रूप में उभर रहा है। डराने वाला आंकड़ा यह है कि वैश्विक स्तर पर, यह पहले से ही हर साल लगभग 50 लाख मौतों का कारण बनता है। अकेले भारत में, वर्ष 2021 में 2.5 लाख से ज्यादा मौतें सीधे तौर पर एएमआर से जुड़ी थीं और लगभग 10 लाख से ज्यादा मौतें दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से जुड़ी थी। खासतौर पर चिंताजनक तथ्य यह है कि वर्ष 2019 में, गंभीर दवा-प्रतिरोधी जीवाणु संक्रमण वाले केवल 7.8 भारतीयों को ही प्रभावी एंटीबायोटिक्स मिले। जो इस उपचार की एक बड़ी कमी को उजागर करता है। जिसके चलते प्रतिरोधी रोगाणु आसानी से फैलते हैं और एक बार ठीक हो सकने वाले संक्रमणों को घातक बना देते हैं। जिसके चलते सर्जरी, कैंसर के इलाज और नियमित देखभाल को कहीं ज्यादा जोखिमभरा बना देते हैं।

वनों के संरक्षण से ही संभव समग्र विकास

नितिन यादव

देश-दुनिया में जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानव जीवन और भूमि स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया। वैज्ञानिक चेतावनियों व जंगल बचाने के प्रयासों के बावजूद पेड़ कटाई और तेज़ हो गई। कुदरती कारण भी वन नष्ट कर रहे हैं।दुनिया में आज जलवायु परिवर्तन से मुकाबले की दिशा में पेड़ों और जंगलों की महत्ता की चर्चा जोरों पर है। इसका प्रमुख कारण है कि जलवायु परिवर्तन के चलते संतुलित और समग्र विकास का लक्ष्य समूची दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। जिस गति से पेड़ों की संख्या घट रही है, उससे पर्यावरण ही नहीं, बल्कि पारिस्थितिकी, जैव विविधता, कृषि, मानवीय जीवन और भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।वास्तविकता यह है कि हर वर्ष दुनिया में एक करोड़ हेक्टेयर जंगल नष्ट हो रहे हैं। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इसका खुलासा किया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, कीड़े-मकोड़े भी प्रतिवर्ष 3.5 करोड़ हेक्टेयर जंगलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वैज्ञानिक बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि मानव जाति जैव विविधता के विनाश की ओर अग्रसर है, जबकि यही जैव विविधता हमें अनेक बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

यदि वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक नहीं लगी, तो प्रकृति की लय पूरी तरह से बिगड़ जाएगी और वैश्विक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को रोक पाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। ऐसी स्थिति में सूखा और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होगी। वन न केवल हमें गर्मी से राहत प्रदान करते हैं, बल्कि जैव विविधता को बनाए रखने, कृषि की स्थिरता को सुदृढ़ करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और जलवायु को संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दरअसल, आज जो स्थिति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई है, वह मानव के लोभ का ही परिणाम है। इसका दुष्परिणाम हमारे सामने मौसम में आए भीषण परिवर्तन और पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन के विघटन के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इससे न केवल पर्यावरण, बल्कि सामाजिक और आर्थिक ढांचा भी चरमराने लगा है। दशकों से वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् और वनस्पति एवं जीवविज्ञानी यह चेतावनी दे रहे हैं कि अब हमारे पास पुरानी परिस्थितियों को पुनर्स्थापित करने के लिए बहुत कम समय बचा है।

यदि देश की बात करें, तो उत्तराखंड में बीते 8-9 वर्षों के दौरान ढाई लाख से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं। इनमें एक लाख से अधिक पेड़ 'ऑल वेदर रोड' परियोजना के तहत तथा शेष पेड़ पर्यटन, देहरादून से दिल्ली तक सड़क चौड़ीकरण, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना और सुरंग आधारित परियोजनाओं के नाम पर काटे गए हैं। इन परियोजनाओं के चलते देवदार, बांज, राई, कैल जैसी दुर्लभ प्रजातियों के पेड़ों का अस्तित्व ही मिटा दिया गया है। विकास के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई का यह सिलसिला पूरे देश में जारी है। अमेरिका की एएंडएम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक अध्ययन में सामने आया है कि पेड़-पौधों की उपस्थिति मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होती है। करीब 6.13 करोड़ मानसिक रोगियों पर किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि हरियाली के बीच रहने वाले लोगों में अवसाद की आशंका बहुत कम पाई गई।

पिछले दो दशकों में पूरी दुनिया में 78 मिलियन हेक्टेयर पहाड़ी जंगल नष्ट हो चुके हैं, जबकि पहाड़ 85 प्रतिशत से अधिक पक्षियों, स्तनधारियों और उभयचरों का आश्रय स्थल हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष जितना जंगल नष्ट हो रहा है, उसका क्षेत्रफल लगभग एक लाख तीन हजार वर्ग किलोमीटर है, जो जर्मनी और नार्डिक देशों- आइसलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और फिनलैंड- के संयुक्त क्षेत्रफल के बराबर है। इसके अनुपात में नए जंगलों के रोपण की गति बहुत धीमी है।दक्षिण अमेरिका के अमेजन बेसिन में फैले वर्षावनों की स्थिति भी चिंताजनक है। बढ़ते तापमान, भयावह सूखा, वनों की अंधाधुंध कटाई और आग की घटनाओं के चलते अमेजन के जंगल विनाश के कगार पर हैं। अब तक अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र नष्ट हो चुका है। जंगलों के विनाश में आग एक बड़ा कारक बन गई है, जिससे हर साल लाखों हेक्टेयर वनक्षेत्र आग की भेंट चढ़ जाता है।साल 2023 में दुनियाभर में 37 लाख हेक्टेयर जंगल नष्ट हुए, जबकि भारत में इस वर्ष के दौरान 21,672 हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो गया। वर्ष 2013 से 2023 के बीच के दस वर्षों में भारत में हुए 95 प्रतिशत वनों के विनाश में अवैध कटाई और जंगलों में आग की घटनाओं की बड़ी भूमिका रही है। यूके स्थित 'साइट यूटिलिटी बिडर' की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पिछले 30 वर्षों के दौरान जंगलों की कटाई में भारी वृद्धि हुई है। विशेष रूप से 2015 से 2020 के बीच पांच वर्षों में जंगलों की कटाई चरम पर रही है।

जैव विविधता के संरक्षण में वनों की उपयोगिता सर्वविदित है, लेकिन हम इन्हीं वनों के साथ खिलवाड़ कर अपने जीवन के लिए खतरा उत्पन्न कर रहे हैं। बीते तीन दशकों में हमने वनों का बहुत बड़ा क्षेत्र मानवीय स्वार्थ के चलते समाप्त कर दिया है। दुखद बात यह है कि जंगलों को बचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बावजूद वनों की कटाई और तेज़ हो गई है। सच्चाई यह है कि आज दुनिया में हर मिनट 21.1 हेक्टेयर जंगल समाप्त हो रहे हैं।यदि अब भी हम नहीं चेते, तो हमारा यह मौन हमें कहां ले जाएगा? क्या मानव सभ्यता सुरक्षित रह पाएगी? यह सोचने का समय अब नहीं, कार्य करने का समय है। प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रबंधन आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

आपको अपनी आत्मा को मारना पड़ता

समाज में फेमस बनने के दस सॉलिड

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

समाज में आजकल लोकप्रिय बनने की होड़ मची हुई है। फेमस बनना आसान काम नहीं है, आपको नाकों चने चबाना पड़ सकता है पर आज मै बतौर ट्रेनी आपको लोकप्रिय बनने के हथकंडे बताऊंगा। आपको हमेशा चाशनी में लपेटकर मीठे बोल ही बोलने पड़ेंगे। जी हजूरी में पीएचडी करना पड़ेगा और हमेशा सड़े गले लोगो के बारे में अ?छा बोलना पड़ेगा। कड़वे बोल एवं गाली केवल मन और सोशल मीडिया पर कोड वर्ड में देनी होगी। आपके सामने कोई भी तोतलेबाज हो आपको अच्छा ही बोलना पड़ेगा।

नेता-मंत्री-विधायक-सांसद के निजी चमचे बनने के लिए आपको सिर हिलाके यस सर में एमफिल करना पड़ेगा। कभी विरोधी सामने आ जाये तो बताना पड़ता है कि आप तो गजब अच्छा काम कर रहे हैं। आप द्वारा कमीशन लिये जाने की तो कोई खबर ही नहीं आती है। दलाली वसूली जैसे काम तो दूसरे लोग कर रहे हैं, लेकिन आपको लेकर जनता में गजब पॉजिटिवनेस है।

आपकी ईमानदारी की चर्चा पड़ोसी देश नेपाल तक है , ओली तो ओले - ओले करते थे आपके काम की। ट्रंप और लादेन के बाद आपकी ही ईमानदारी पर बात होती है लोगों में। आपके द्वारा बनवाई गई सड़कें आठ-आठ महीने चल जाती हैं, वहीं शिवपाल ददा द्वारा बनवाई गई सड़कें तीन महीना भी बमुश्किल से टिक पाई। आपके काम, बात-व?यवहार एवं ईमानदारी पर कोई सवाल ही नहीं उठा सकता।

एक दिन पूर्व विधायक जी मिल गए तो उनके मिलने पर भी यही बातें करनी पड़ी कि आप तो गजब काम किए, कोई मुकाबला ही नहीं आपका। हर तरफ बस आपके ही काम की चर्चा है। आपके द्वारा बनवाई गई सड़कें आठ-आठ महीने चल जाती हैं, जबकि सांसद की बनाई सड़क का तीन महीने चलना भी असंभव हो जाता है। लालू के बाद तो बस आपकी ही ईमानदारी के चर्चे हैं। साथ ही लोग बताते हैं कि कितने सज?जन आदमी हैं। दो चार लूट और हत?या के अलावा आप पर कोई आरोप नहीं है, जबकि सांसद जी पर दर्जनों तरह के आरोप और मामले चल रहे हैं। पता नहीं उन जैसे लोग भी कैसे राजनीति में आ जाते हैं। आप पजामा कुर्ता में एकदम अटल बिहारी वाजपेयी लगते हैं, जबकि सांसद जी जैसे लोग कोट-पैंट पहनकर अपने को अंग्रेज समझते हैं। दो चार बार तारीफ के बाद आप कह सकते हैं कि साहब।! अपना एक ट्रांसफर है या फिर एक ठेका है जरा दिखवा लीजिये। आप लोकप्रिय हैं तो कोई आपका काम रोक भी नहीं सकता। हालांकि लोकप्रियता पुराण इतनी आसान नहीं है।

उसके लिये कुर्बानी देनी पड़ती है। आपको अपनी आत्मा को मारना पड़ता है। सच बोलने की ताकत की हत्या करनी पड़ती है। सबका प्यारा बनने के लिये आपको कड़वे बोल छोड़ने होते हैं। लोकप्रिय होने के लिये चोर को चोर हो बोलने की बजाय यह बताना पड़ता है कि आपके चोरी करने का अंदाज बेहद अलग और निराला है। ऐसी चोरी तो साला सौ-सौ कोस तक दूसरा नहीं कर सकता है। आपने विधायकी में चोरी की जो नई तकनीक इजाद की है, कभी यह किताबों में पढ़ाया जायेगा। आज नहीं तो कल लोग आपको अपना आदर्श मानकर चोरी करेंगे। सांसद जी के डकैती पर रिसर्च चल रही, पर आपकी डकैती से डकैतों को भी आपसे सीखना चाहिये कि अपने बिरादरी से काम कैसे किया जाता है (गलती से जाति लिखा गया है, आप जाति को सैफई और बिरादरी को विधायकी चमचे पढ़े)। आप सचमुच एक आदर्श चोर हैं, जिसकी पुलिस में भी बहुत इज?जत है। आप चोर होते हुए भी पुलिस के साथ बेईमानी नहीं करते हैं। ईमानदारी से बंटवारा करते हैं, जबकि बहुत से बेईमान चोर तो पुलिस को भरोसे में लिये बिना ही चोरी कर लेते हैं।

पुलिस की भी तारीफ करना लोकप्रिय होने की निशानी है। कहना पड़ता है कि दरोगाजी आप जो क्षेत्र में गांजा अफीम बिकवा रहे हैं, उसकी व?वालिटी ए-वन है। कोई दूसरा पुलिस वाला तो ऐसी उच्च क्वालिटी का अफीम भी बिकवा नहीं सकता है।

पीने के बाद क्या शानदार नशा होता है। दरोगाजी आप तो बेहद ईमानदार हैं, इसलिये आपके थाने की मासिक वसूली केवल पंद्रह लाख है, जबकि फलाने थाने का थानेदार तो लुटेरा है। तीस लाख महीना उठा रहा है। वो हेरोईन वालों से तो छोड़िये, आटो, बस, अवैध कट्टा और गोली बिक्रेताओं से भी वसूली करता है, जबकि आप उनसे केवल बेगारी और घर के राशन पर ही छोड़ देते हैं। आप जैसा बड़प्पन और दिलदारी किसी और पुलिस वाले में तो मिलना ही मुश्किल है। आप से बड़े से बड़े मामलों में एफआईआर दर्ज नहीं करते, वो झूठा एनसीआर दर्ज करके वसूली करता है। आप पुलिस की नाक हैं, और वो विभाग पर धब?बा है। चोर, उचक्के, डकैत, पॉकेटमार, मिलावटखोरों की नजर में जो आपकी है, उसे पाने में दूसरे थानेदारों को सदियां बीत जायेंगी।इसी तरह आपको सबकी तारीफ करनी पड़ती है, तब कहीं जाकर आपका चार काम-धंधा हो पाता है और आप लोकप्रिय हो पाते हैं। यह आसान काम कतई नहीं होता है। केवल संत प्रवृत्ति का या बेहद बेगैरत व?यक्ति ही इस काम को सही ढंग से अंजाम दे पाता है। फिर आपको सिएम पिएम, लंदन टूर और टॉकिंग टोकियो जैसे लाइजनर भी अपनी पार्टी में बुलाते हैं। बचपन से मुझे भी अच्छा और लोकप्रिय बनने का शौक है। ये आसान काम नहीं है, लेकिन शौक है तो है। जब हमारे पड़ोसी तेजुआ सड़क पर कूड़ा डाल आता था तो मैं उसको कभी उल्टा सीधा नहीं कहता था। तारीफ ही करता था कि देखिये आप कितना अच्छा काम कर रहे हैं, लोग सड़क के बीच कूड़ा फेंक कर चले जाते हैं, कुछ बेवकूफ तो डस्टबीन में भी डाल आते हैं, और एक आप हैं कि सड़क के किनारे कूड़ा डाल रहे हैं। यह आपका बड़प?पन है। वह खुश हो जाता और एक दिन चारा चोर बिहार छोड़ बोलकर आठवीं फेल हो गया । हालांकि उसका बड़का भाई उतना ज्यादा लोकप्रिय नहीं था। लालू चच्चा हमेशा उसकी शिकायत करते थे, ' 'बेटा तुम्हारे बड़े भाई के संस्कार बेहद खराब हैं।

जब भी मैं कूड़ा सड़क किनारे डालने जाता हूं, वह टोक देता है कि डस?टबीन में डालिये। बताओ इसे बड़ों से बात करने तक का शऊर और संस?कार नहीं है, जबकि तुम्हारे जैसा संस?कारवान एवं सबको प्रिय लगने वाला भाई उसके घर में है, जिसमें सज्जनता एवं संस्कार कूट कूटकर भरा हुआ है।' ' खैर, मेरी सज्जनता, संस्कार एवं लोकप्रियता की वजह से तमाम जगहों पर मेरे सही गलत काम हो जाते थे, जबकि असंस्कारी एवं अलोकप्रिय चचेरे भाई का सही काम भी नहीं हो पाता था। उसकी कोई इज्जत भी नहीं थी। मोहल्ले में उसकी गिनती सबसे ज्यादा उज्जड और असंस्कारी में होता था, क्योंकि वह किसी के गलत करने पर टोका-टाकी करता था, जबकि मुझे कभी किसी की गलती नजर ही नहीं आती थी। मैं अपनी मेहनत की बदौलत इतना लोकप्रिय हो गया था कि लोग मुंह पर मेरी तारीफ करते थे, और पीठ पीछे गाली देते है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

बढ़ा गंगा का जलस्तर, बाढ़ में 150 परिवारों का आशियाना बना टेंट, दो हजार घरों में घुसा पानी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । लगातार बारिश, नरौरा बांध और हरिद्वार से छोड़े गए पानी के कारण मंगलवार को गंगा का जलस्तर 114.96 मीटर पर पहुंच गया है। यह बैराज पर खतरे के निशान 115 मीटर से सिर्फ चार सेंटीमीटर दूर है। इस सीजन में पहली बार बैराज पर गंगा का जलस्तर इस बिंदु पर पहुंचा है। जलस्तर बढ़ने से घाटों से सटे बिठूर, ख्योरा कटरी और शहरी क्षेत्र के करीब 22 गांवों के दो हजार से अधिक में घरों में पानी घुस गया है। लोगों ने गंगा बैराज में टेंट लगाकर और बाढ़ शरणालयों में शरण ली है।

सोमवार दोपहर को बैराज पर गंगा का जलस्तर 114.87 मीटर था। रात होते होते इसमें 9 सेंटीमीटर की और बढ़ोतरी हो गई। इससे ख्योरा कटरी, बिठूर कटरी और शहरी क्षेत्र के करीब 22 गांवों में हालात और खराब हो गए। बिठूर और कटरी क्षेत्र के करीब 15 गांवों के दो हजार घरों में बाढ़ का पानी घुस गया। सोमवार रात बाढ़ के पानी ने बिठूर कटरी के प्रतापपुर हरी, ईश्वरीगंज, पपरिया, हिंदुपुर को भी चपेट में ले लिया। पहले से बाढ़ की चपेट में आए भगवानदीनपुरवा, भोपालपुरवा, लक्ष्मनपुरवा, गिल्लीपुरवा, बनियापुरवा, दुर्गापुरवा, मक्कापुरवा के अलावा बिठूर कटरी के तिसजा, नया डल्लापुरवा, पुराना डल्लापुरवा, हृदयपुर, चिरान में हालात और ज्यादा बदतर हो गए। करीब 25 हजार की आबादी बाढ़ से परेशान है। दो हजार से अधिक बीघा खेत में लगी सब्जी की फसल पानी में डूब गई है। करीब 150 परिवारों ने गृहस्थी और पशुओं समेत गंगा बैराज पर अस्थायी टेंट लगाकर शरण ली है।

ख्योरा कटरी के पूर्व प्रधान अशोक निषाद, दुर्गापुरवा के गुड्डू निषाद, प्रतापपुर हरी के प्रधान सुशील निषाद और ईश्वरीगंज प्रधान संतोष निषाद ने बताया वर्ष 2012 से गंगा बैराज से हिंदुपुर गांव तक गंगा किनारे मार्जिनल बांध बनाने का प्रस्ताव और मांग प्रशासनिक अधिकारियों के पास लंबित है। करीब 12 साल बीतने के बावजूद मार्जिनल बांध नहीं बना। अगर यह बांध बन जाता तो

यह नौबत न आती। अशोक निषाद ने बताया कि बांध के लिए दो साल पहले 200 करोड़ रुपया शासन से पास हुआ था लेकिन काम टाल दिया गया।बनियापुरवा निवासी राजाराम निषाद, बालचंद निषाद, अर्जुन निषाद और मक्कापुरवा के तुलाराम निषाद ने बताया सोमवार को प्रशासन ने 200 पैकेट पका भोजन बंटवाया था लेकिन मंगलवार शाम आठ बजे तक प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं दी गई। विधायक बिठूर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत पति मल्हू निषाद और पूर्व प्रधान ख्योरा कटरी लगातार दो दिनों से बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन बनवाकर बंटवा रहे हैं।

दूसरी ओर तहसीलदार विनय कुमार ने बताया कि बैराज पर ग्रामीणों के लिए

भोजन, पानी, शौचालय की समुचित व्यवस्था कराई गई। नाश्ते से लेकर देर तक ग्रामीणों को भोजन दिया जा रहा है। पशुओं के लिए चारे का इंतजाम है। आसपास के क्षेत्र में सफाई और मंगलवार को फागिंग भी करवाई गई है।

भगवानदीनपुरवा में फंसे तीन दर्जन पशु

भगवानदीनपुरवा में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं। गांव के सभी घरों में पानी भरा है। यहां रहने वाले संतोष निषाद, बालचंद्र निषाद, पप्पू निषाद और तुलाराम निषाद के तीन दर्जन से अधिक दुधारू पशु

बाढ़ के पानी में फंस गए हैं। इन्हें अब बैराज पर लाना मुश्किल है क्योंकि पानी का बहाव तेज है और सड़क किनारे खेतों में चारों तरफ कटीले तारों की बाड़ है। इससे पशु के बाड़ में फंसने और घायल होने का खतरा है। पशुपालकों ने मांग की नावों से पशुओं के लिए हरे चारे और भूसे की व्यवस्था की जाए।

मंगलवार को नरौरा बांध से 1,15,180 क्यूसेक और हरिद्वार से 64,280 क्यूसेक पानी आने से जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बैराज के सभी गेट खोलकर 4,86,282 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बारिश के चलते पीछे से आ रहे पानी से जलस्तर बढ़ रहा है।

मेट्रो की मनमानी ने नाराज महापौर ने अफसर को कीचड़ में धकेला, शहर में मेट्रो का निर्माण कार्य रुकवाया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में हुए जलभराव को देखने मंगलवार को निकलीं महापौर प्रमिला पांडेय मेट्रो की खोदाई पर भड़क गईं। अपने सामने ही देवकी टाकीज के पास मेट्रो के कार्य में लगे मजदूरों को भगा दिया। चावला मार्केट में बहस कर रहे मेट्रो अधिकारी को जलभराव में धकेलने की कोशिश की। उन्होंने सख्त तेवर दिखाते हुए शहर में मेट्रो के निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की बात कही। कहा कि जहां भी मेट्रो का काम होगा, नगर निगम उसे रुकवा देगा।सोमवार को दो घंटे की बारिश से पूरे शहर में जलभराव हुआ था। इस पर मंगलवार सुबह महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार जलभराव की स्थिति का जायजा लेने निकले। वह सबसे पहले चावला मार्केट चौराहा पहुंचीं। उन्होंने मौके पर मेट्रो के अफसर तरुण

कहने के बावजूद समस्या का निस्तारण नहीं हुआ।पार्षद नवीन पंडित से मेट्रो अधिकारियों की बहस और धक्का-मुक्की भी हुई। पार्षद ने चेतावनी दी तो मेट्रो अधिकारी विरोध जताने लगे। मौके पर मौजूद अन्य अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।

इसी बीच मेट्रो अफसरों की महापौर से भी बहस होने लगी। गुस्से में महापौर ने तरुण कुमार को खींचकर कीचड़ से भरे गड्ढे में धक्का दे दिया। पास खड़े मुख्य अभियंता एसएफए जैदी और पूर्व पार्षद ने हाथ पकड़कर मेट्रो अफसर को गिरने से बचाया। महापौर के सख्त तेवर देख मेट्रो अफसर और ठेकेदार भाग

कुमार और ठेकेदार समीर को बुलाया। महापौर ने कहा कि मेट्रो की लापरवाही से कई महीनों से जूही स्वदेशी मिल के पास करीब 300 मीटर लंबी सीवर लाइन टूटी पड़ी है। इससे आठ वार्डों में बारिश होते ही जलभराव हो जाता है। कई बार निकले।इसके बाद महापौर काकादेव पहुंचीं। यहां भी लोगों ने जलभराव और मेट्रो की खोदाई से सड़कें खस्ताहाल होने की शिकायत की। इस पर महापौर ने ठेकेदार और मौके पर मौजूद मेट्रो अधिकारियों से पूछा-ऐसा कब तक चलेगा। मेट्रो अधिकारी जवाब नहीं दे सके तो महापौर ने तुरंत काम बंद करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान मुख्य अधियंता सिविल सैय्यद फरीद अख्तार जैदी, जलकर महाप्रबंधक आनंद कुमार त्रिपाठी, जोन-5 के अधिशासी अभियंता रामेंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

अफसरों को दी चेतावनी

मेट्रो की खोदाई ने शहर का सिस्टम बिगाड़ दिया है। शहरियों को मूलभूत सुविधाओं की दरकार होती है और खोदाई में सीवर व पाइप लाइन ही तोड़ दी गई है। इससे बारिश में जलभराव हो रहा

और सड़कें खराब हो रही हैं। महापौर ने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि अगर जलभराव की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो मेट्रो अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मैं ये नहीं कहती कि बारिश में शहर में पानी नहीं भरता है लेकिन जब से मेट्रो ने काम शुरू किया है।

गोविंदनगर और जूही में चौतरफा जलभराव हो रहा है। विजय नगर में मेट्रो के काम ने नरक मचा रखा है।

देवकी टाकीज पर मेट्रो ने खोदाई कर डॉट नाला 200 फीट तोड़ दिया। साथ ही कई और जगह भी पाइप लाइनें तोड़ी है जिससे पूरे शहर में जलभराव हो रहा है। पूरे शहर में मेट्रो के निर्माण कार्य रुकवाए हैं। जहां भी काम होगा, उसे नगर निगम रुकवाएगा। मेट्रो पहले प्राथमिकता के तौर पर क्षतिग्रस्त नाले व पाइप ठीक कराए। – प्रमिला पांडेय, महापौर

महाराजगंज जेल से आज आएंगे इरफान, गैंगस्टर के मुकदमे में तय हो सकते आरोप

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगजनी के मुकदमे में सजा काट रहे सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को बुधवार को महाराजगंज जेल से कानपुर लाया जाएगा। एमपीएमएलए सेशन कोर्ट में चल रहे गैंगस्टर के मुकदमे में आरोप तय किए जा सकते हैं। मुकदमे में इरफान सोलंकी, रिजवान सोलंकी, शौकत अली, इसराइल आटे वाला, मो. शरीफ, अज्जन उर्फ एजाज और मुर्सलीन खान उर्फ भोलू आरोपी हैं। इसमें इरफान के अलावा रिजवान और इसराइल कानपुर जेल में बंद हैं जबकि बाकी को जमानत मिल चुकी है।

अधिवक्ता अखिलेश दुबे ने सिपाही के खेत व मकान पर किया कब्जा, पुलिस अधिकारी ने एसआईटी को सौंपी जांच

बीपीएस न्यूज

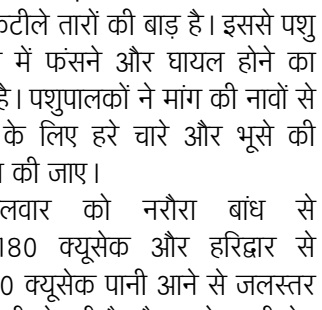

कानपुर। लखनऊ के प्रशिक्षण निदेशालय पर तैनात सिपाही राजा पांडेय के खेत, मकान, कुआं और मंदिर पर अधिवक्ता अखिलेश दुबे ने कब्जा कर लिया। उन्होंने अखिलेश दुबे, निखलेश दुबे, शालिनी दुबे के खिलाफ आरोप लगाकर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से शिकायत की है। पुलिस अधिकारी ने एसआईटी को जांच सौंपी है।गोविंदनगर निवासी राजा पांडेय के मुताबिक बिधनू के बाजपुर गांव में उनका पैतृक मकान, कुआं और मंदिर है। रमईपुर में 13 बीघा कृषि भूमि है। गांव के कल्लू व मनोज शुक्ला अखिलेश दुबे व उसके परिवार के लिए कार्य करते रहे हैं। अखिलेश दुबे ने उन्हें मई 2006 में अपने घर बुलवाया। उनसे जमीन बेचने के लिए कहा। मना करने पर दबाव बनाकर पौने तीन बीघा जमीन का सौदा 50 लाख रुपये में कर दिया। राजा पांडेय के मुताबिक वह 20 जून 2006 को घर गए थे। वहां कुछ लोग असलहों से लैस होकर आए और जबरन कचहरी ले गए। उनकी 0.343 हेक्टेयर जमीन का केवल एक लाख रुपये में सौदा कर दिया।

आरोप है कि उन्हें एक रुपये भी नहीं दिए गए। निखलेश दुबे ने दोबारा जमीन का बैनामा कराने पर पूरी रकम देने का वादा किया था। आरोपियों ने उन्हें रुपये ले जाने के लिए 23 मई 2008 को बुलाया। वह अखिलेश दुबे के घर पहुंचे तो वहां निखलेश दुबे, शालिनी दुबे, कल्लू और मनोज भी थे। सिपाही का आरोप है कि निखलेश दुबे ने उनसे कहा था कि तुम्हारे मकान पर परिवार वालों ने कब्जा कर रखा है। उसको खाली कराने के लिए मकान की लिखा पढ़ी उनके नाम कर दो। उन्होंने 15 अक्तूबर 2008 को उनके नाम लिखा पढ़ी कर दी।

अनोखी पहल: कानपुर के रमईपुर में कचरे से कमाई, गांव में बढ़ी सफाई

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर की विधनू ब्लॉक की रमईपुर ग्राम पंचायत अब सिर्फ स्वच्छता के लिए ही नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता का भी उदाहरण बन चुकी है। यहां एक ऐसा मॉडल तैयार हुआ है, जहां कूड़े-कचरे को न केवल ठिकाने लगाया जा रहा है, बल्कि उसे आय के साधन में बदल दिया गया है। सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने रमईपुर में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट एवं आरआरसी सेंटर का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बताया कि गांव में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 योजना के अंतर्गत प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट और रिसोर्स रिकवरी सेंटर स्थापित किए गए हैं। यह दोनों केंद्र अब ग्राम पंचायत के लिए वरदान साबित हो रहे हैं।

डीपीआरओ मनोज कुमार ने डीएम को बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा 16 लाख रुपये की लागत से यूनिट का निर्माण और मशीनें खरीदी गईं। पिछले कुछ महीनों में ही यूनिट पर 9.5 टन प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र कर बैलिंग और श्रेडिंग की प्रक्रिया से गुजारा गया।

ग्राम पंचायत ने नेचर नेक्स्ट फाउंडेशन और स्थानीय कबाड़ियों से समझौता किया है जिससे प्लास्टिक की बिक्री हो सके। अब तक केवल प्लास्टिक से 6,000 रुपये की आमदनी पंचायत को हो चुकी है। साथ ही कचरे से तैयार वर्मी कम्पोस्ट ने भी आय का नया रास्ता दिखाया है। लगभग 2,000 किलो वर्मी कम्पोस्ट बेचकर पंचायत ने 25,000 रुपये से अधिक अर्जित किए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 425 घरों से नियमित कूड़ा उठान की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण गाड़ियों में कचरा डालते हैं, जिसे सीधे आरआरसी सेंटर ले जाया जाता है। खास बात यह है कि लगभग 350 ग्रामीण परिवार स्वेच्छा से 30 रुपये का मासिक यूजर चार्ज भी जमा कर रहे हैं। इससे पंचायत के ओएसआर खाते में डेढ़ लाख से अधिक राशि संरक्षित हुई है।

कानपुर: बैंक लॉकर से 40 तोला सोना गायब की सूचना पर हड़कंप, शिकायत के बाद दोबारा देखा तो मिला सुरक्षित

कानपुर। फीलखाना थानाक्षेत्र स्थित सेंट्रल बैंक के लॉकर से मंगलवार सुबह 40 तोला सोना गायब होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। बैंक अधिकारी भी परेशान हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंची और पीड़ित अधिवक्ता से मामले की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस व बैंक के अफसरों के साथ जाकर दोबारा लॉकर देखा गया तो जेवर सुरक्षित मिले। इस पर अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

हूलागंज निवासी अधिवक्ता विनय तिवारी के अनुसार उनका पिता बंसत कुमार तिवारी के साथ कराची खाना स्थित सेंट्रल बैंक में संयुक्त खाता था।

पिता इसी शाखा से कैशियर के पद से 2008 में सेवानिवृत्त हुए और 2007 में उन्होंने यहां लॉकर लिया था। करीब दो माह पहले पिता की मौत के बाद मंगलवार सुबह 11.15 बजे विनय लॉकर चेक करने पहुंचे थे। कुछ देर बाद उन्होंने बैंक अधिकारियों को लॉकर से जेवर गायब होने की शिकायत की।

इस पर बैंक अधिकारियों ने कहा कि हो सकता है कि माता-पिता आकर जेवर निकाले हों। इस पर विनय मां सुमन तिवारी को लेकर बैंक पहुंच गए। उन्होंने बताया कि लॉकर में करीब 40 तोला सोना था। उन्होंने फीलखाना पुलिस और डॉयल 112 पर भी शिकायत की। लॉकर से इतना सोना गायब होने की खबर पर पुलिस ने भी गंभीरता ली। कारण करीब 18 माह पहले इसी बैंक के लॉकर से कई खाताधारकों का सामान गायब हुआ था। दोपहर 3.30 बजे के बाद फॉरेंसिक टीम दोबारा लॉकर रूम पहुंची। अधिवक्ता से लॉकर देखने के लिए कहा गया। उन्होंने लॉकर में हाथ डाला तो जेवर सुरक्षित मिले। फीलखाना थाना प्रभारी ने बताया की पीड़ित ने जेवर गायब होने की शिकायत की थी, लेकिन वह सुरक्षित मिले हैं। कुछ भ्रम की स्थिति रही होगी।अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें

फंदे पर लटका मिला राजमिस्त्री का लहूलुहान शव, आंगन से लेकर कमरे तक बिखरा था खून, हत्या की आशंका

बीपीएस न्यूज

जालौन। कोतवाली क्षेत्र के रामपुर सनेता गांव में मंगलवार को राजमिस्त्री का शव लहूलुहान हालात में फंदे पर लटका मिला। घर में आंगन से लेकर कमरे तक खून बिखरा पड़ा था। शरीर पर किसी नुकीली चीज के निशान मिले हैं। पास ही रखी अलमारी से सुसाइड नोट भी मिला है। भाई ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि व्यक्ति आत्महत्या की है। घर में राजमिस्त्री और उसकी बहू ही रहते थे। दोनों बेटे बाहर रहते हैं।कोतवाली क्षेत्र के रामपुर सनेता निवासी कमलेश जाटव (50) बड़े बेटे संजय की बहू के साथ रहता था। वह राजमिस्त्री था। बड़ा बेटे संजय व छोटा बेटा रिंकू अपने परिवार के साथ बाहर रहते है। मंगलवार की सुबह कमलेश का शव खून से लथपथ घर के आगे वाले कमरे में पंखे के हुक में रस्सी के फंदे से लटका मिला। उसके कमरे के दरवाजे खुले थे। सुबह 7 बजे जब बहू ने ससुर का शव देख चीख निकल गई। परिजनों ने 112 को फोन लगाया, लेकिन नंबर नहीं लगा।

इस पर परिजन ग्रामीणों के साथ कोतवाली पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर सीओ परमेश्वर प्रसाद, कोतवाल अजीत सिंह मौके पर पहुंचे और जांच की। एसओजी व फील्ड यूनिट भी बुला ली गई। फील्ड यूनिट की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। कमलेश के शरीर में किसी नुकीली चीज से प्रहार किए जाने का घाव मिला है। उसी से खून में टपक रहा था। आंगन में रखी चारपाई की रस्सी कटी पड़ी थी। इस पर भी खून लगा था। बताया गया कि कमलेश कई महीनों से अपने पक्के मकान निर्माण कर रहा था। सोमवार की शाम को खाना खाकर कमरे में चला लगा था। वहीं कमलेश के भाई चरन सिंह ने हत्या की आशंका जताई है।फंदे पर लटकते कमलेश जाटव के पास में रखी अलमारी से जो सुसाइड नोट मिला है। उसमें लिखा है मेरी मौत के लिए कोई दोषी नहीं है। मेरे बच्चों को परेशान न किया जाए। पुलिस हर बिंदुओं पर जांच कर रही है। सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि सुसाइड नोट मिला है। इसे जांच के लिए फॉरेंसिक लैब में भेजा जाएगा।

कानपुर में बॉलीवुड के Jolly LLB की एंट्री, स्थानीय वकीलों से की मुलाकात

» अक्षय कुमार ने पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार सहित कई अन्य लोगों से की मुलाकात

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बॉलीवुड की बहुचर्चित फिल्म जॉली एलएलबी-3 का रंग अब कानपुर में भी देखने को मिला। बुधवार 10 सितम्बर को कानपुर एयरपोर्ट पर फिल्म के मुख्य कलाकार अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, बार एसोसिएशन कानपुर के अध्यक्ष इन्दीवर बाजपेयी, महामंत्री अमित कुमार, लायर्स एसोसिएशन कानपुर के अध्यक्ष दिनेश वर्मा व महामंत्री राजीव यादव ने एयरपोर्ट पर पहुँचकर कलाकारों का अभिनंदन किया। इस मौके पर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर आगामी फिल्म की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी गईं।इसी कड़ी में आज शहर के रेव थ्री मॉल में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च और प्रोमोशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कानपुर की मिट्टी में अपनी फिल्म का प्रचार करने पहुँचे कलाकारों ने दर्शकों से रूबरू होकर फिल्म देखने की अपील की।गौरतलब है कि जॉली एलएलबी सीरीज़ का हर पार्ट कोर्टरूम ड्रामा और हल्के-फुल्के हास्य के कारण लोगों के बीच खासा लोकप्रिय रहा है।

ट्री मैन सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा , शिक्षक डा. प्रदीप वर्मा और डा. रचना सिंह गोल्डन गाला अवार्ड समारोह में होगें सम्मानित

» गरीब बच्चों की शिक्षा, पर्यावरण और नशामुक्ति के लिए उन्नाव से सम्मानित होंगी तीनों हस्तियां। पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस पारुल चौहान होंगी सेलिब्रिटी गेस्ट

सब इंस्पेक्टर अनूप, शिक्षिका रचना और शिक्षक प्रदीप होंगे सम्मानित

» बीपीएस न्यूज

उन्नाव। नव अंशिका फाउण्डेशन के छठवें स्थापना दिवस के अवसर पर सीजन-2 गोल्डन गाला अवार्ड 2025 का आयोजन कल 11 सितम्बर को लखनऊ के विराज खंड स्थित होटल क्लासियों कलेक्शन में किया जा रहा है।

इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य के लिए संस्था द्वारा गोल्डन गाला एवं नव अंशिका प्राइड अवार्ड दिया जायेगा।

सपना बाबुल का...बिदाई में मुख्य किरदार निभाने वाली अभिनेत्री पारुल सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में रहेंगी। संस्था की फाउंडर और आयोजक नीशू त्यागी ने बताया कि गोल्डन गाला अवार्ड 2025 समारोह में उन्नाव के पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्र अपूर्व , शिक्षिका डा.रचना सिंह

और शिक्षक डा. प्रदीप कुमार वर्मा को प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

ट्री मैन के नाम से प्रसिद्ध सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्र को पिछले 25 वर्षों से गरीब बच्चों की शिक्षा, पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदानों और समाज में अनवरत नवीन दिशा दिखाने के प्रयासों और सफल परिणाम देने हेतु गोल्डन गाला सम्मान से नवाजा जाएगा।

कोरोना के कठिन दौर में भी समाज सेवा के क्षेत्र में उन्मुख राज्य पुरुस्कार प्राप्त शिक्षिका डॉ रचना सिंह कटरी पीपरखेड़ा, कंपोजिट विद्यालय में कार्यरत हैं।

समुदाय से बेहतर संबंध स्थापित करने वाली शिक्षिका ने 卐दैनिक अभिभावक सहभागिता卐 नवाचार कर विद्यालय की छात्र संख्या बढ़ाने के साथ शिक्षा क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किए हैं और विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के सराहनीय कार्य किये हैं, इन सरोकार के लिए उन्हें नव अंशिका अवॉर्ड से नवाजा जाएगा।

शिक्षा के साथ साथ समाज में फैली हुई नशे जैसी गंभीर बीमारी के खात्मे के लिए व्यापक स्तर पर उत्तर प्रदेश नशामुक्ति आंदोलन चला रहे शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा को यह सम्मान शिक्षा, बालश्रम रोकने और पर्यावरण के क्षेत्र में कठिन प्रयासों के साथ ही बालिका शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए गोल्डन गाला सम्मान दिया जाएगा।

मैराथन दौड़ में शामिल होंगे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

» बीपीएस न्यूज

भाजपा मैराथन दौड़ से 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' अभियान को गति देगी। पार्टी ने अभियान को अब कॉलेजों और विश्व विद्यालयों के कैम्पस तक ले जाने की योजना तैयार की है। अभियान में छात्रों व युवाओं के माध्यम से चलने की विस्तृत योजना तैयार की है।एक राष्ट्र एक चुनाव के समर्थन में शहरवासी 13 सितंबर को सायं चार बजे नानाराव पार्क फूलबाग से भारत माता प्रतिमा स्थल घंटाघर चौराहे तक 卐मैराथन दौड़卐 में दौड़ेंगे। जिसमें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मैराथन दौड़ में शहर के व्यापारी, उद्योगपति, अधिवक्ता, शिक्षक, एनसीसी कैडेट्स, साधु, संत, विभिन्न मठ मंदिरों के धर्माचार्य, प्रोफेसर, खिलाड़ी, चिकित्सक, इंजिनियर, स्कूल कॉलेजों एवं विश्विद्यालय के युवा छात्र एवं छात्राएं, समाजसेवी, प्रबुद्ध वर्ग, रंगकर्मी आदि शामिल होंगे। मैराथन दौड़ की तैयारियों को लेकर बुधवार को भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने बैठक की।शिवराम सिंह ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी मंडल अध्यक्ष अपने अपने मंडलों से एक एक हजार लोगों को लेकर फूलबाग नानाराव पार्क पहुंचेंगे। अभियान से जुड़े सभी लोग विभिन्न वर्गों के बीच जाकर लोगों को बताएं कि एक राष्ट्र एक चुनाव देश के लिए कितना आवश्यक है।प्रमुख रूप से राम बहादुर यादव, जसविंदर सिंह, विनोद मिश्रा, अनुराग शुक्ला, गणेश शुक्ला, मनीष त्रिपाठी, अर्जुन बेरिया, राजन चौहान, वीरेन्द्र दिवाकर, वंदना गुप्ता, शिवम मिश्रा, बिट्टू परिहार, दीपांकर मिश्रा, विनीत दुबे आदि मौजूद रहे।

एस एन सेन बा वि पी जी कॉलेज में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया गया जागरूकता कार्यक्रम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। एस एन सेन बा वि पी जी कॉलेज में इनोवेशन सेल के तत्वावधान में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम संकल्प- हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ़ वोमेन के 10 दिवसीय अभियान के अंतर्गत किया।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चरणों में श्रद्धा पूर्वक पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर प्रबन्ध तंत्र के सचिव पी के सेन, प्राचार्या प्रोफ़ेसर डॉ सुमन तथा राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने किया। एंटी क्राइम ब्यूरो के चेयरमैन एडवोकेट रिजवान अली खान, महिला थाने की एस एच ओ कमर सुल्ताना, महिला कल्याण विभाग की काउंसलर मनोवैज्ञानिक डॉ राबिया सुल्ताना, श्रम विभाग तथा यूनिसेफ के टेक्निकल रिसोर्स पर्सन प्रतीक श्रीवास्तव, महिला कल्याण की जिला कोऑर्डिनेटर मोनिका यादव, महिला कल्याण विभाग की जेंडर स्पेशलिस्ट शैल शुक्ला तथा रागिनी श्रीवास्तव ने छात्राओं को अपने अपने विषय की जानकारी देते हुए हौसला बढ़ाया और बताया जीवन के संघर्ष में सरकार और महिला कल्याण मंत्रालय विभिन्न प्रकार से सहयोग के लिए तत्पर है।

सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता के लिये फ्री विधिक सहायता, पुलिस सहायता और अन्य सहायता योजनाएं संचालित की हैं जो तभी कारगर होंगी जब आपको उसकी जानकारी हो। कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्राओं ने जानकारी प्राप्त कर स्वयं का संबल बढ़ाया और भविष्य में स्वयं एवं अन्य महिलाओं की सुरक्षा में भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम में छात्राओं के

अतिरिक्त महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। डॉ प्रीति सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया और प्रो रेखा चौबे, प्रो गार्गी यादव, प्रो अलका टंडन, कैप्टन ममता अग्रवाल, डा रचना निगम, डॉ शुभा, डॉ अनामिका और डॉ समीक्षा सिंह ने सक्रिय योगदान दिया।

आईजीआरएस पोर्टल पर की गयी शिकायत को शिकायतकर्ता से मिले बगैर लगा दी रिपोर्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सितंबर माह में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान असंतुष्ट फीडबैक की अधिक संख्या, बिना मौके पर गए रिपोर्ट लगाने और शिकायतकर्ताओं से संपर्क न करने जैसी लापरवाहियों पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई।डीएम ने कहा कि सभी जनपद स्तरीय अधिकारी एवं कार्यालयाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि आईजीआरएस प्रकरणों का निस्तारण शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक हो। प्रत्येक प्रकरण में भौतिक सत्यापन के बाद ही निर्धारित प्रारूप पर आख्या भेजी जाए।

शिकायतकर्ता से वार्ता करना अनिवार्य है और निर्धारित समयसीमा का पालन हर हाल में हो। अन्यथा, शासन को कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कार्यालयाध्यक्ष स्वयं आईजीआरएस की आख्या देखें, इसे किसी निचले स्तर के कार्मिक पर न छोड़ा जाए। रिपोर्ट के साथ मौके की जीपीएस युक्त तस्वीर अवश्य संलग्न की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं से फोन पर संपर्क कर वास्तविक प्रगति से अवगत कराना और उन्हें संतुष्ट करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।1 सितम्बर से 8 सितम्बर तक नगर आयुक्त कार्यालय, नगर निगम कानपुर के 1086 फीडबैक प्राप्त हुए, जिनमें से 563 असंतुष्ट पाए गए। 491 मामलों में शिकायतकर्ताओं ने बताया कि कोई कार्मिक मौके पर नहीं गया, जबकि 360 मामलों में किसी ने फोन पर भी संपर्क नहीं किया।

इसी अवधि में अधिशासी अभियंता, विद्युत, कानपुर शहर से जुड़े 345 प्रकरणों पर 153 असंतुष्ट फीडबैक मिले। इनमें 115 शिकायतकर्ताओं से संपर्क नहीं किया गया और 174 में मौके का मुआयना नहीं हुआ। अधिशासी अभियंता जलकर के 343 प्रकरणों पर 122 असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुए। अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के 108 प्रकरणों में 64 असंतुष्ट पाए गए। सचिव, कानपुर शहर के 112 प्रकरणों में 92 असंतुष्ट रहे। उपाध्यक्ष केडीए के 71 प्रकरणों में 61 असंतुष्ट और तहसीलदार, राजस्व एवं आपदा विभाग बिल्हौर के 71 में से 48 फीडबैक असंतुष्ट रहे।जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई तय है।

संचारी रोगों की सूचना हेल्पलाइन नंबर पर दें, तत्काल की जाती है आवश्यक कार्यवाही:मुख्य चिकित्सा अधिकारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने अवगत कराया कि जनपद में वी0बी0डी0 टीमों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में एण्टोमोलॉजिकल सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन, लार्वानाशी छिड़काव तथा प्रचार-प्रसार संबंधी गतिविधियाँ की गईं। टीमों ने जनसामान्य से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास पानी एकत्र न होने दें, जलभराव वाली जगहों पर जला हुआ मोबिल ऑयल अथवा केरोसीन ऑयल डालें, खुली त्वचा पर प्राकृतिक मच्छर निरोधक क्रीम का उपयोग करें तथा शरीर के अधिकांश भागों को कपड़ों से ढक कर रखें। साथ ही, लोगों को वाहक जनित एवं संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरूक किया गया।

ब्लॉक पतारा के ग्राम रंजीतपुर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 50 सामान्य रोगियों को औषधि वितरित कर उपचार प्रदान किया गया। शिविर में 30 रोगियों की मलेरिया एवं डेंगू की जांच की गई, जिनकी सभी रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई।

इसी प्रकार, ब्लॉक भीतरगांव के ग्राम मढेपुर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 28 सामान्य रोगियों को औषधि प्रदान की गई तथा सभी 28 रोगियों की मलेरिया और डेंगू की जांच की गई, जिनकी रिपोर्ट भी निगेटिव प्राप्त हुई।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि संचारी रोगों से संबंधित सूचना देने अथवा जानकारी प्राप्त करने हेतु परेड स्थित यू.एच.एम. चिकित्सालय के कन्ट्रोल रूम में हेल्पलाइन नंबर 9335301096 संचालित है। सूचना पर सम्बन्धित क्षेत्र में तत्काल आवश्यक कार्यवाही की जाती है।इसके अतिरिक्त, नगर निगम स्थित कन्ट्रोल रूम में भी हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004, 0512-2526005 कार्यरत हैं, जिन पर सूचना प्राप्त होने पर सम्बन्धित टीम द्वारा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है।

अपर जिला जज ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रेषित एक्शन प्लान तथा माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर श्री चवन प्रकाश के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर श्री कमलेश कुमार मौर्य ने आज जिला कारागार, कानपुर नगर का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा जमानत योग्य विचाराधीन बंदियों की शीघ्र रिहाई हेतु उपस्थित जेल अधीक्षक एवं चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।अस्पताल, कैंटीन, पुरुष एवं महिला बैरकों तथा कैदियों के पुनर्वास संबंधी कार्यों का भी विस्तार से निरीक्षण किया गया। अस्पताल में भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर उन्होंने लीगल एड डिफेंस काउंसिल को ऐसे बंदियों की जमानत संबंधी प्रकरणों में त्वरित सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।पाकशाला और कैंटीन का निरीक्षण करते हुए अपर जिला जज/सचिव ने खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि कैंटीन में लगाए गए फूड बोर्ड स्पष्ट एवं विस्तृत रूप से प्रदर्शित किए जाएँ, ताकि वहां कार्यरत लोगों को खाद्य सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध हो सके।जेल लीगल एड क्लिनिक के बाहर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अपर जिला जज/सचिव द्वारा बंदियों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया तथा उनकी समस्याएँ सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

खुले मैनहोल ने फिर बरपाया कहर

पत्रकार की पत्नी गिरी, नगर निगम की लापरवाही उजागर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में नगर निगम की लापरवाही ने एक बार फिर एक महिला को अपनी चपेट में लिया। ट्रांसपोर्ट नगर, ढकना पुरवा में ऑक्सफोर्ड स्कूल से महज 20 मीटर की दूरी पर खुले मैनहोल ने पत्रकार आरके सिंह की पत्नी सबिता कुमारी सिंह को गंभीर खतरे में डाल दिया। बारिश के कारण गलियों में भरे पानी ने मैनहोल को अदृश्य कर दिया, जिसके चलते स्कूल से अपने बच्चों को लेने गईं यह महिला उसमें गिर गईं। हादसे में उन्हें शरीर पर कई जगह चोटें आईं, और स्थानीय लोगों की मदद से बड़ी मुश्किल से उन्हें बाहर निकाला जा सका। महिला ने घर पहुंचकर प्राथमिक उपचार लिया, लेकिन इस घटना ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

हादसे का कारण- बारिश और लापरवाही का घातक मिश्रण

घटना दोपहर 2 बजे की है, जब पत्रकार की पत्नी अपने बच्चों को स्कूल से लेने गई थीं। स्कूल की छुट्टी के दौरान अचानक हुई बारिश ने गलियों को जलमग्न कर दिया। पानी के इस सैलाब में खुला मैनहोल नजर नहीं आया, और अनजाने में वह उसमें जा गिरीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि ढकना पुरवा में जलभराव और खुले मैनहोल की समस्या कोई नई नहीं है। पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

पत्रकार का आक्रोश सिस्टम पर उठाए सवाल

घटना से आहत पत्रकार आरके सिंह ने नगर निगम की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्थानीय पार्षद, जोन 3 के जोनल अधिकारी और नगर आयुक्त के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इसके साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल बर्खास्त करने की अपील की है। सिंह ने कहा, फ्यह सिर्फ मेरे परिवार के साथ नहीं, बल्कि शहर के हर नागरिक के साथ हो सकता है। नगर निगम की उदासीनता जानलेवा साबित हो रही है।

स्थानीय लोगों का गुस्सा- बार-बार की अनदेखी

स्थानीय निवासियों ने भी इस घटना पर गहरा रोष जताया। उनका कहना है कि ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में जलभराव और खुले मैनहोल की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई शिकायतों के बावजूद, नगर निगम ने न तो जल निकासी की व्यवस्था की और न ही मैनहोल को सुरक्षित करने के लिए कोई कदम उठाया। एक स्थानीय निवासी ने बताया, फ्हर बारिश में गलियां तालाब बन जाती हैं, और खुले मैनहोल मौत का जाल बिछाते हैं। आखिर कब तक हमारी जान जोखिम में रहेगी?

नगर निगम की चुप्पी, जनता में आक्रोश

इस घटना ने एक बार फिर नगर निगम की लचर व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सवाल यह है कि आखिर कब तक शहरवासी खुले मैनहोल और जलभराव जैसी समस्याओं से जूझते रहेंगे? क्या इस हादसे के बाद नगर निगम कोई ठोस कदम उठाएगा, या यह भी पहले की तरह अनदेखी का शिकार हो जाएगा? जनता अब जवाब और कार्रवाई की मांग कर रही है।

आगे क्या?

पत्रकार आरके सिंह ने इस मामले को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ने का मन बनाया है। साथ ही, स्थानीय लोग भी इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाने की तैयारी में हैं। यह घटना शहर के लिए एक चेतावनी है कि अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी, तो ऐसे हादसे और भी भयावह रूप ले सकते हैं।

खंती में गिरी बस में भरा पानी तो छटपटाने लगे बच्चे, खिड़कियों से बिलखते बच्चों को देख दहल गया लोगों का दिल

कानपुर । बाइक में टक्कर मारने के बाद बस पानी भरे खंती में पलट गई। 50 बच्चे फंस गए। बच्चों को ग्रामीणों ने निकाला। दुर्घटना साढ़-जहानाबाद मार्ग पर गोपालपुर गांव के पास हुई।

साढ़-जहानाबाद मार्ग पर गोपालपुर गांव के पास गुरुवार की सुबह बच्चों से भरी प्राइवेट स्कूल की बस सामने से आ रहे बाइक सवार पिता-पुत्र को कुचलते अनियंत्रित होकर पानी भरे खंती में गिरकर पलट गई। इस दुर्घटना में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौके पर मौत हो गई। पीछे बैठी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। बस में 50 छात्र-छात्राएं सवार थीं। सभी में चीख पुकार मच गई। साढ़ थाना क्षेत्र के गोपालपुर के पास गुरुवार को खंती में गिरी स्कूली बस में पानी भरा तो उसके अंदर फंसे 50 बच्चे छटपटाने लगे। वह खिड़की से बचाने की गुहार लगा रहे थे। तभी वहां से निकल रहे तीन युवक पानी में उतरकर बच्चों को बाहर निकालने में जुट गए। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सभी को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान कापी, किताबें और टिफिन बॉक्स पानी में उतराते दिखाई दिए ।हादसे के बाद अभिभावक प्रबंधतंत्र पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि मिथिलेश सिंह शिक्षा निकेतन में जुलाई से यही डग्गामार बस सुबह शाम बच्चों ला और ले जा रही थी। यातायात विभाग से पता चला कि बीते दिनों चालक के पास डीएल न होने पर चालान हुआ था। बस के अंदर हेल्पर या स्कूल का कोई शिक्षक या शिक्षिका भी नहीं थे। हादसे से सहमे बाहर खड़े बच्चों ने बताया कि बस में सीटों के अलावा बेंच डालकर भी बच्चों को बैठाया जाता है। रोजाना इस बस से करीब 60 बच्चे आते-जाते हैं। वहीं, विद्यालय प्रबंधक गोविंद सिंह ने बताया कि बस की आवश्यकता होने पर गांव की ही बस को किराये पर लगा लिया था ।हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत के बाद पालपुर गांव में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। मृतक सुरेश चंद्र निगम के तीन बेटे थे। इनमें मनीष उर्फ राजू और प्रमोद जोधपुर में प्राइवेट नौकरी करते हैं। छोटा बेटा अमित घर में परचून की दुकान रखे है। दो बेटियों में बड़ी सोनी शादी के बाद भी तीन साल से मायके में ही रह रही है। छोटी बेटी प्रियंका प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए साढ़ कोचिंग करने जाती है। पत्नी शशी बेटे और पति की मौत से बेसुध है। बेटा मनीष बुधवार शाम ही जोधपुर से घर आया था। गुरुवार को पिता की आंख दिखाने शहर जा रहा था तभी हादसा हो गया और पिता-पुत्र की मौत हो गई।

लगी भीषण आग, लपटें उठती देख लोग इधर-उधर भागने लगे, चारों तरफ दिखाई दिया अफरा-तफरी का माहौल

खाद को लेकर बवाल, पुलिस से भिड़े किसान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेकनगंज थाना क्षेत्र से भीषण आग लगने की सूचना पर पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें उठते ही लोग इधर-उधर भागने लगे और चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसओ कैलाश चंद्र लाटूश रोड और कर्नलगंज एफएसओ प्रदीप शर्मा अपनी-अपनी यूनिट टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इसके बाद मौके पर पहुंचे चीफ फायर ऑफिसर दीपक शर्मा ने पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व किया और लगभग 15 से 20 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कराया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई और न ही जनहानि हुई।

» बीपीएस न्यूज

महोबा। कस्बा जैतपुर में पीसीएफ कृषक सेवा केंद्र व सहकारी समिति में बृहस्पतिवार को खाद के लिए सुबह से लाइन में लगे किसानों का शाम के समय धैर्य जवाब दे गया। नाराज किसानों ने कुलपहाड़-नौगांव मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। किसानों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पहुंची पुलिस एक किसान को थाने ले जाने लगी। तभी अन्य साथी किसानों ने उसे पुलिस से छुड़ा लिया। इस दौरान धक्का-मुक्की भी हुई। तहसीलदार ने शुक्रवार से खाद वितरण कराए जाने का भरोसा दिया। तब दो घंटे बाद जाम खुल सका।

खाद वितरण की जानकारी मिलने पर जैतपुर, अकौना, कुड़ई , बुधौरा, बछेछर समेत विभिन्न गांवों के किसान बाइपास मार्ग पर स्थित पीसीएफ कृषक सेवा केंद्र व मुख्य मार्ग पर स्थित सहकारी समिति पहुंच गए। सुबह छह बजे से ही किसानों ने खाद के लिए लाइन लगा ली। इस दौरान दोपहर तक खाद वितरण का किसान इंतजार करते रहे लेकिन खाद का वितरण शुरू नहीं हुआ।सूचना पर कुलपहाड़ तहसीलदार प्रमित सचान मौके पर पहुंचे। तब आक्रोशित किसान खाद वितरण की मांग पर अड़ गए। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे तहसीलदार ने किसानों को फिर से लाइन में खड़ा कराया। इसके बाद भी खाद का वितरण शुरू नहीं हुआ। तब शाम करीब चार बजे पीसीएफ कृषक सेवा केंद्र व सहकारी समिति के बाहर मौजूद किसान ड़योढ़ीपुरा में मुख्यमार्ग पर पहुंच गए और सड़क पर जाम लगा दिया।जाम के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस एक किसान को वहां से ले जाने लगी। जिस पर अन्य किसानों ने अपने साथी किसानों को छुड़ा लिया। इस दौरान धक्का-मुक्की भी हुई। हालांकि, बाद में तहसीलदार मौके पर पहुंचे। तब किसानों ने कहा कि खाद वितरण केंद्रों पर भूखे प्यासे घंटों इंतजार के बाद भी खाद नहीं मिली। समय पर खाद न मिलने से उनकी फसल खराब हो जाएंगी। तहसीलदार ने किसानों को समझाया और भरोसा दिया कि शुक्रवार से खाद का वितरण कराया जाएगा। तब जाकर किसान शांत हुए और शाम छह बजे जाम खुल सका।

बेलताल। जाम के दौरान एक एंबुलेंस भी फंस गई। करीब 15 मिनट तक एंबुलेंस फंसी रही। यह एंबुलेंस मुढ़ारी गांव से प्रसूता क्रांति को लेने जा रही थी। हालांकि, बाद में पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद एंबुलेंस को जाम से बाहर निकलवाया। तब जाकर एंबुलेंस मुढ़ारी गांव से प्रसूता को लेने के लिए रवाना हो सकी।

भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करें खाद्य कारोबारी: डीएम

» होटल-रेस्टोरेंट कारोबारियों के लिए फूड सेफ्टी विभाग की कार्यशाला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में मर्चेंट चेंबर सभागार में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एचबीटीयू के कुलपति प्रो. शमशेर, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह, एसोसिएशन पदाधिकारी सिंघानिया, विजय पंडित समेत शहर के मसाला, तेल, मिठाई, होटल, रेस्टोरेंट और गोटरी व्यवसाय से जुड़े प्रमुख कारोबारी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम में मुंबई से आए मिथिलेश गांधी ने खाद्य तेलों के प्रयोग, गुणवत्ता परीक्षण और बार-बार गर्म किए जाने के खतरों पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि तेल की शुद्धता और सुरक्षित उपयोग सीधे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से जुड़ा है ।इंदौर से आए रामनाथ सूर्यवंशी ने ऑनलाइन फूड बिजनेस से जुड़े व्यापारियों को प्रशिक्षण दिया और बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बिक्री करते समय गुणवत्ता

नियंत्रण और उपभोक्ता विश्वास सबसे अहम है ।सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हर कारोबारी को अपने प्रतिष्ठान में साफ-सफाई, लेबलिंग, भंडारण और प्रसंस्करण की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान देना होगा ।डीएम बोले- खाद्य कारोबार व्यापार नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी हैजिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि खाद्य कारोबार केवल व्यापार नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

आप जो व्यंजन परोसते हैं, वह सीधे लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा होता है। इसलिए गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराना आपका प्रथम कर्तव्य है। लाभ कमाना स्वाभाविक है, लेकिन अधिक मुनाफे की लालसा में लापरवाही अस्वीकार्य है। स्वच्छ किचन, स्वस्थ कर्मचारी और जिम्मेदाराना व्यवहार ही आपके व्यवसाय की सबसे बड़ी पूंजी हैं। जब उपभोक्ता विश्वास के साथ आपके प्रतिष्ठान से भोजन ग्रहण करेगा,

तभी आपका सम्मान और कारोबार दोनों लगातार बढ़ेंगे ।नियमित होंगे प्रशिक्षणव्यापारियों ने कार्यक्रम के दौरान यह मांग रखी कि इस तरह की कार्यशालाएँ नियमित रूप से आयोजित हों। इस पर सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय संजय प्रताप सिंह ने आश्वासन दिया कि हर माह होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के सहयोग से फूड सेफ्टी विभाग प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित करेगा। जिलाधिकारी ने भी इस पहल को आगे बढ़ाने और नियमित कार्यक्रम कराने के निर्देश दिए ताकि खाद्य सुरक्षा से जुड़ी जानकारी लगातार साझा होती रहे।

प्रतिबंधित लकड़ी का कटान रोकने पहुंची टीम पर हमला, डिप्टी रेंजर घायल

» बीपीएस न्यूज

इटावा। लखना रेंज के लवेदी के नवादा बहादुरपुर क्षेत्र में गुरुवार दोपहर प्रतिबंधित लकड़ी कटने की सूचना वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान वन माफियाओं ने वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया।

इसमें डिप्टी रेंजर घायल हो गए। वन कर्मी घायल डिप्टी रेंजर को अस्पताल में लेकर पहुंचे। यहां गंभीर हालत होने पर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया।

लखना रेंजर प्रदीप कुमार ने बताया कि डिप्टी रेंजर भानु प्रताप यादव टीम के अन्य सदस्यों के साथ गुरुवार दोपहर एक बजे नवादा बहादुरपुर में भ्रमण पर थे। इस दौरान उन्हें प्रतिबंधित निजी लकड़ी के कटने की सूचना मिली। डिप्टी रेंजर भानु प्रताप यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे। यहां वन माफियाओं से प्रतिबंधित लकड़ी को बिना

अनुमति के काटने से मना किया। इस पर उन लोगों ने वन विभाग की टीम पर हमला कर दिया। इसमें डिप्टी रेंजर भानु प्रताप गंभीर रूप से घायल हो गए।

अन्य कर्मी जान बचाकर भागे। ग्रामीणों के आने पर आरोपी भाग गए ।वन विभाग के कर्मचारियों ने इसकी सूचना लखना रेंज को दी। वन कर्मियों ने घायल डिप्टी रेंजर को अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर ने गंभीर हालत होने पर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। रेंजर प्रदीप कुमार ने बताया इस संबंध में आरोपियों के विरुद्ध लवेदी थाना में प्रार्थना पत्र दिया गया है। साथ ही उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दे दी गई है। उनके निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीपी राधाकृष्णन बने देश एनडीए के नए उपराष्ट्रपति

विपक्ष के सुदर्शन रेड्डी को दी मात,सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। देश के नए उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन होंगे। उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी बी सुदर्शन रेड्डी को हराया है। सीपी राधाकृष्णन को 452 वोट हासिल हुए जबकि बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। भारत के उपराष्ट्रपति के महत्वपूर्ण पद पर चुनाव इसलिए हुआ क्योकिं पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। सत्तारूढ़ एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया था जबकि विपक्ष ने सुदर्शन रेड्डी पर भरोसा जताया था।

मतदान समाप्त होने के बाद आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 781 में से 12 सांसदों ने मतदान नहीं किया। मतदान करने वाले की संख्या 767 रही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न दलों के सांसदों ने देश के नए उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं। मतदान शुरू होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। देश के 17वें

उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं), तथा 12 मनोनीत सदस्य और लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल हैं। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं। संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हो रहा है। विभिन्न दलों द्वारा दिए गए समर्थन को आधार बनाकर आंकड़ों के लिहाज से देखें तो राजग उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। हालांकि विपक्ष के उम्मीदवार रेड्डी ने बार-बार यह कहकर अपनी दावेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया कि लड़ाई वैचारिक है तथा यह मतदान सिर्फ उप राष्ट्रपति चुनने के लिए नहीं है, बल्कि भारत की भावना के लिए है। चुनाव से एक दिन पहले सोमवार को विपक्ष के सांसदों ने एकजुटता प्रकट करते हुए बैठक की थी और 'मॉक' (प्रतीकात्मक) मतदान में हिस्सा लिया था ।ताकि मंगलवार को मतदान के बाद उनका एक-एक वोट वैध करार हो। विपक्षी सांसदों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि उनका वोट बर्बाद न हो, क्योंकि पिछली बार कुछ वोट अवैध घोषित कर दिए गए थे। इस बीच, राजग ने भी सोमवार को चुनाव प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए अपने सांसदों की बैठक की थी। सदस्यों ने 'मॉक' मतदान में भी भाग लिया था। मतदान से एक दिन पहले ही, ओडिशा की प्रमुख विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने फैसला किया कि उसके सांसद उप राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों का दर्द जानने पहुंचे पीएम मोदी, 1600 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का ऐलान

» बीपीएस न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। एसडीआरएफ और पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसमें पीएम आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएमएनआरएफ के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे।पीएमओ ने बताया कि कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। जिन बोरों में गाद भर गई है या जो बह गए हैं, उनके नवीनीकरण के लिए राज्य सरकार के विशिष्ट प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत परियोजना मोड पर सहायता प्रदान की जाएगी। डीज़ल से चलने वाले बोर पंपों के लिए, सौर पैनलों के लिए स्ह्त्रश्च के साथ अभिसरण और प्रति बूंद अधिक फसल दिशानिर्देशों के तहत सूक्ष्म सिंचाई के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए योगी सरकार की नई गाइडलाइन जारी

» शहर से लेकर गांव तक आवारा कुत्तों की समस्याओं का होगा निस्तारण

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक और काटने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए योगी सरकार ने सोमवार को एक अहम परिपत्र जारी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए इन नए नियमों का मकसद मानव-पशु संघर्ष को कम करना और सुरक्षित वातावरण बनाना है।नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि कुत्तों के काटने की घटनाएं एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या हैं। यह गाइडलाइन मानवीय दृष्टिकोण के साथ प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करेगी।यह गाइडलाइन न सिर्फ आम जनता को आवारा कुत्तों के हमले और डर से राहत दिलाएगी, बल्कि कुत्तों की देखभाल और प्रबंधन को भी व्यवस्थित करेगी। कुल मिलाकर, सरकार का यह कदम जनसुरक्षा और पशु कल्याण दोनों के बीच संतुलन बनाने की दिशा में बड़ा और सकारात्मक बदलाव माना जा रहा है।

नई गाइडलाइन के प्रमुख बिंदु

फीडिंग जोन की व्यवस्था - प्रत्येक वार्ड में संरचित फीडिंग जोन बनाए जाएंगे। ये बच्चों के खेल मैदानों, स्कूलों, पार्कों और भीड़-भाड़ वाले इलाकों से दूर होंगे।समय निर्धारण - कुत्तों को भोजन कराने का समय इस तरह तय होगा कि बच्चों और बुजुर्गों की दिनचर्या प्रभावित न हो।जिम्मेदारी तय कुत्तों को खिलाने वाले लोगों को अब सिर्फ तय स्थानों पर ही भोजन कराना होगा और स्वच्छता का ध्यान रखते हुए बचे भोजन का उचित निस्तारण करना होगा।नसबंदी व टीकाकरण नगर निगम व नगर पंचायतों को सतत नसबंदी और रेबीज टीकाकरण अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। पशुप्रेमियों को इसमें सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

विवाद निस्तारण समिति - किसी भी विवाद की स्थिति में एक समिति गठित होगी, जिसमें मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, पुलिस अधिकारी और स्थानीय प्रतिनिधि शामिल होंगे। समिति का निर्णय अंतिम होगा।

यूपी में हाई अलर्ट घोषित, नेपाल से जुड़ी हर सोशल मीडिया पोस्ट की हो रही निगरानी

लखनऊ। नेपाल के पीएम के इस्तीफे के बाद सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त अपील की है। उन्होंने लोगों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा, चूंकि राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री का इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए हम सभी से संयम बरतने और इस कठिन परिस्थिति में जान-माल को और नुकसान न होने देने की अपील करते हैं ।नेपाल में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस प्रशासन को इस हिमालयी राष्ट्र से लगे सभी सात सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। यह कदम प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा भ्रष्टाचार और विवादास्पद सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ युवा प्रदर्शनकारियों के नेतृत्व में कई दिनों तक चले हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा देने के बाद उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में चौबीसों घंटे निगरानी, ??गश्त बढ़ाने और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती के आदेश दिए हैं।

बर्खास्त संविदा कर्मियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

» बीपीएस न्यूज

बिहार। पटना में बुधवार को बर्खास्त संविदा कर्मियों और पुलिस के बीच टकराव देखने को मिला. हजारों की संख्या में कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर भाजपा कार्यालय का घेराव करने पहुंचे थे. इसी दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया. इस कार्रवाई में कई कर्मियों को चोटें आईं और भगदड़ की स्थिति बन गई.

संविदा कर्मियों का कहना है कि वे वर्षों से राजस्व विभाग समेत कई सरकारी दफ्तरों में काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायी कर्मियों के बराबर अधिकार और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. उनकी प्रमुख मांग है कि उन्हें 'समान काम के लिए समान वेतन' दिया जाए और सेवा की अवधि 60 वर्ष तक सुनिश्चित की जाए.सूत्रों के अनुसार, हाल ही में करीब 8,000 संविदा कर्मियों को हड़ताल पर जाने के कारण नौकरी से हटा दिया गया है. इससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है. बर्खास्त कर्मियों का कहना है कि सरकार ने उनके साथ अन्याय किया है और अब वे सड़क पर उतरकर अपना हक मांगने को मजबूर हैं.कर्मचारी पिछले 26 दिनों से पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं.।

दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी, बढ़ाई गई सुरक्षा

दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय और राष्ट्रीय राजधानी स्थित मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, धमकी के संबंध में एक अलग कॉल भी प्राप्त हुई, जिसके बाद एहतियात के तौर पर कई दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि धमकी भरे ईमेल में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय दोनों में संभावित विस्फोट का उल्लेख था। मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के तहत तत्काल और समन्वित कार्रवाई की गई और दोनों जगहों पर बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाली टीमों (बीडीडीटी) को तैनात किया गया। अतिरिक्त डीसीपी (मध्य), एसीपी कमला मार्केट और एसएचओ आईपी एस्टेट सहित वरिष्ठ अधिकारी सचिवालय में तोड़फोड़-रोधी जाँच की निगरानी में मौजूद थे। एमएएमसी में, आईपी एस्टेट थाने के अतिरिक्त यातायात अधिकारी (एटीओ) द्वारा इस अभ्यास की निगरानी की जा रही थी। दोनों स्थानों पर मौजूद लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने एक बयान में कहा घबराने की कोई बात नहीं है। वाल्सन ने आगे कहा कि साइबर पुलिस स्टेशन की एक टीम ईमेल की उत्पत्ति और प्रामाणिकता की जाँच कर रही है।

पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया, पूरे नेपाल में इमरजेंसी!

काठमांडू। नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ जेनरेशन ज़ेड के नेतृत्व में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा, जिसके बीच प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार सुबह ललितपुर के सुनाकोठी स्थित संचार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के निजी आवास में आग लगा दी। द हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत नेपाल के घटनाक्रम पर कड़ी नज़र रख रहा है और विरोध प्रदर्शनों में हुई मौतों पर शोक व्यक्त करता है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध में काठमांडू और नेपाल के अन्य हिस्सों में हुए %जेन जेड% विरोध प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोग मारे गए और 200 से ज़्यादा घायल हुए। सरकार ने कल देर रात प्रतिबंध हटा लिया। नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनल के घर में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने जब पूर्व पीएम के घर में आग लगाई तो खनल की पत्नी, राज्यलक्ष्मी चित्रकार, अंदर मौजूद थीं। उन्हें गंभीर रूप से जलने के बाद कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, उनकी हालत गंभीर है, उनके शरीर के कई हिस्से जल गए हैं और उनके फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुँचा है।

केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा देश में व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और 22 अन्य सोशल मीडिया साइटों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, नेपाल में जेन जेड के बैनर तले युवाओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। जब विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए और 19 लोगों की मौत हो गई, तो सरकार ने सोमवार देर रात प्रतिबंध हटा लिया। सरकार की ओर से कर्फ्यू घोषित किए जाने के बाद भी हजारों की संख्या में युवा सड़कों पर डटे हुए हैं और तमाम मंत्रियों के आवासों को फूंक डाला है। इन युवाओं ने पीएम और राष्ट्रपति के निजी आवासों को कब्जे में ले लिया है और आग लगा दी है। नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय को भी फूंका गया है। इसके अलावा अभी-अभी संसद भवन और सुप्रीम कोर्ट को भी इन उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया है।

» पीएम ओली का इस्तीफा, प्रदर्शनकरियों ने

काठमांडू एयरपोर्ट फूंका, सोशल मीडिया बैन

नेपाल में तख्ता पलट

पीएम ओली का इस्तीफा, प्रदर्शनकरियों ने काठमांडू एयरपोर्ट फूंका, सोशल मीडिया बैन

» बीपीएस न्यूज

नेपाल इन दिनों भारी राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आखिरकार अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के साथ ही डिप्टी पीएम समेत दस मंत्रियों ने भी इस्तीफा सौंप दिया। लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शनकारी शांत होने को तैयार नहीं हैं।काठमांडू से लेकर वीरगंज और पोखरा तक प्रदर्शनकारी पांच अहम मांगों को लेकर सड़कों पर डटे हैं। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू एयरपोर्ट को आग के हवाले कर दिया। दिल्ली से काठमांडू जाने वाली उड़ानों को रद्द करना पड़ा। जब तक अंतरिम सरकार का गठन नहीं हो जाता, तब तक उड़ानें प्रभावित रहेंगी।

वीरगंज महानगरपालिका के दफ्तर और संसद भवन के बाहर भीषण बवाल हुआ। प्रदर्शनकारियों ने डेढ़ दर्जन कारों और कई सरकारी भवनों में आग लगा दी।

मंत्रियों को सेना ने सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रियों के आवासों पर हमले के बाद नेपाली सेना ने हेलीकॉप्टर की मदद से मंत्रियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया है। संसद भवन और शीर्ष अधिकारियों के आवासों की सुरक्षा के लिए भारी सैन्य बल तैनात किया गया है।

ओली के इस्तीफे पर मेयर शाह का बयान

काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने फेसबुक पर लिखा -यह जेनरेशन' का आंदोलन है। प्रिय युवाओं, आपके उत्पीड़क का इस्तीफा

हो चुका है। अब संयम बरतने का समय है।

ओली के इस्तीफे के बाद बालेंद्र शाह को अंतरिम राष्ट्रपति बनाए जाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। शाह को प्रदर्शनकारियों का प्रत्यक्ष नेता माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर बैन, सेना की अपील

सरकार ने नेपाल में हालात काबू करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अस्थायी बैन लगा दिया है। सेना प्रमुख ने अपील की है कि जन-हानि से बचने के लिए प्रदर्शनकारी संयम बरतें और हिंसा का रास्ता छोड़ें।

समाजसेवियों ने बाढ़ पीड़ितों को लंच पैकेट किया वितरण, बोले- इंसानियत से बड़ा नहीं कोई धर्म

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। में बाढ़ का कहर जारी है। गंगा नदी में आया उफान अब कानपुर, उन्नाव, शुक्लागंज और बिठूर में फैल रहा है। 30 से ज्यादा गांव डूब चुके हैं। हजारों लोग बेघर हो गए। एक दूसरे शहरों के मुख्य मार्ग गंगा के तेज बहाव की वजह से कट गए।

हर तरफ बाढ़ की वजह से हाहाकार मचा है। गंगा बैराज रोड पर करीब चार हजार परिवारों को शिविर में रोका गया है। गंगा कटरी में पानी और बढ़ने के कारण बिजली काट दी गई है। लगभग 4000 लोग बैराज मार्ग स्थित जिला प्रशासन के शिविर में आ गए हैं। गांवों से सामान लाने के लिए ट्रैक्टरों व नावों से आवाजाही हो रही है। शिविरों में कापी-किताबों व बस्तों के साथ बच्चे बेबस बैठे हैं। बैकुंठपुर मार्ग से बैराज तक की एक लेन सड़क पर यातायात बंद कर दिया गया है।बाढ़ से बिगड़े हालातों को देखते हुए मदद की पहल शुरू हो गई है।

गुरुवार को इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी तथा रोटरी क्लब कानपुर सूर्या के द्वारा बाढ़ पीड़ितों को एक हजार लंच पैकेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर एसडीएम सदर अभिषेक सिंह, तहसीलदार सदर, रेड क्रॉस सचिव आर के सफ्फर , रो प्रदीप खंडेलवाल, शरद अग्रवाल, अशोक खंडेलवाल, मनीष अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार अभय त्रिपाठी, प्रमोद सुराना, चंदन अवस्थी मौजूद रहे। लोगों ने इस मुश्किल घड़ी में बाढ़ पीड़ितों की मदद की अपील करते हुए कहा कि, बाढ़ के कारण गंगा कटरी के हालात बेहद खराब हैं।

लोगों को खाने, दवाइयों, और रहने की बहुत दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे समय में सभी को दिल खोलकर मदद करनी चाहिए। क्योंकि इंसानियत से बढ़कर कोई धर्म नहीं है और बाढ़ पीड़ितों की मदद करना सबसे बड़ी सेवा है

कांग्रेसजनों ने सीएमओ को सौंपा मांगपत्र, जनता के लिए तत्काल राहत की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने कानपुर के सीएमओ हरिदत्त नेमी को उनके कार्यालय में कानपुर की आम जनता की स्वास्थ संबंधित समस्याओं पर मांगपत्र सौंपते हुए तत्काल कानपुर की जनता को राहत देने की मांग की। मांगपत्र देने से पहले बाहर कांग्रेसजनों ने जोरदार नारेबाज़ी भी की। मांग पत्र के मुख्य बिंदु चिकन गुनिया, डेंगू, मलेरिया, बारिश से संबंधित बीमारियां आदि इस वक्त फैलने की शिकायतें आ रहीं हैं आयुष्मान कार्ड बनवाने के आंकड़े तो खूब दिए जा रहे हैं पर लोग आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए इधर उधर भटक रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों में दलाली कल्चर पूर्ण रूप से हावी है। दलाल अस्पतालों के बाहर घूमते रहते हैं। और वहां आ रहे मरीजों को बाहर से इलाज करवाने के लिए बरगलाते हैं। कुछ अस्पतालों में डॉक्टर ऐसी दवाएं लिखते हैं जो अंदर मिलती ही नहीं हैं और बाहर कुछ दुकानों से महंगी रेट पे मिलती हैं जिस पर डॉक्टरों को लम्बा चौड़ा कमीशन मिलता है।

लगातार शिकायतें आ रही हैं कि डॉक्टर समय से बैठते नहीं हैं। पर्चे बनवाने में गरीब और मरीज बहुत परेशान होते हैं। वहां भी दलाल खड़े रहते हैं। इस बावत काउंटर बढ़ाए जाएं और मरीजों को ज्यादा देर पर्चे बनवाने में व्यस्त न करें। कानपुर में संभावित बीमारियों से बचने के लिए फॉगिंग के लिए नगर निगम को आप भी लिख दें।

सर्प दंश और रेबीज के लिए कैंपों की संख्या बढ़ाई जाए और आसान टीका लगवाई प्रक्रिया लागू की जाए। जांच और दवाई में कालाबाजारी रोकी जाए। कैंप लगाने के लिए कांग्रेस से भी सहयोग मांगा जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि जब कहेंगे कांग्रेस कैंप आयोजित करवाएगी।

अध्यक्ष पवन गुप्ता, हरप्रकाश अग्निहोत्री, नरेश त्रिपाठी, पूजा भारद्वाज, शंकर दत्त मिश्रा, तौसीफ खान, आनंद शुक्ला, अहमदुल्लाह मालिक, इकबाल अहमद, हरीश बाजपई, पदम मोहन मिश्रा, रितेश यादव, उमा शंकर तिवारी, राम स्वरूप तिवारी, राकेश साहू, धर्मेंद्र चौहान, संजय दीक्षित, अजय श्रीवस्तव, शीलू, मुकेश वाल्मीकि, बैतूल खान, मेवाती, मो सादिक, आसिफ इकबाल, हाजी कौसर, इस्लाम अंसारी, प्रमोद गुप्ता, अब्दुल जब्बार, राजेश खन्ना, विनोद अवस्थी, मुकेश कन्नौजिया, संतोष मिश्रा, शांतनु दीक्षित, रवि बाजपई आदि थे।

युवजन सभा धरने के बाद जागा नगर निगम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी युवजन सभा ने अध्यक्ष अर्पित त्रिवेदी के नेतृत्व में बर्रा से कर्रही की तरफ जाने वाली जर्जर सड़क के लिए धरना दिया और कमल को गड्ढो में प्रवाहित किया और कहा ये कैसी स्मार्टसिटी है जो गड्ढायुक्त है, नालियां बह रही हैं, स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हैं। इसी सड़क पर लाखों लोग रोज निकलते हैं और सैकड़ो रोज गिरकर चुटहिल होते हैं। गृहकर कई गुना बढ़ा दिया गया है। जब नगर निगम टैक्स ले रहा तो सुविधा के नाम शून्य क्यों है?कानपुर में पार्षद, महापौर, सांसद, विधायक भाजपा के हैं लेकिन विकास के नाम पर शून्य हैं।मौके पर एक्सईएन ने टीम भेजकर काम कराने का आश्वासन दिया तब इंस्पेक्टर बर्रा रविन्द्र श्रीवास्तव ने आकर नगर निगम अधिकारियों से बातकर धरना खत्म करने की बात कही। जिसके बाद नगर आयुक्त के नाम का ज्ञापन इंस्पेक्टर बर्रा रविन्द्र श्रीवास्तव को देकर खत्म किया गया। जिसके कुछ देर बाद ही प्रशासनिक अधिकारी आकर काम कराने लगे।

अजय श्रीवास्तव, मुकेश दीक्षित, सत्यम पांडेय, रोहित राजपूत, के.के.मिश्रा, साहिल यादव, आलेख सिंह, नीरज गुप्ता, संजय यादव, ईशू यादव, कृपाशंकर यादव, सुकान्त शर्मा, अभिषेक रावत, मुकेश गुप्ता, अंकुर उत्तम, शिवम खन्ना, शिवम जायसवाल, अमित कुमार, हिमांशु कश्यप, सिद्धार्थ यादव, हर्ष मिश्रा, जय कुमार, पवन यादव, आदर्श सिंह, आदर्श राठौर, रोहन गुप्ता आदि रहे।

विधायक के हॉस्टल में रेडियोलॉजिस्ट की पढ़ाई कर रही छात्रा ने फंदा लगाकर दी जान

कानपुर। फर्रुखाबाद के थाना कमालगंज के गांव रजीपुर निवासी अरधेंदु कुमार धर की बेटी पलक धर (18) एक वर्ष पहले काकादेव के रानीगंज स्थित एवी गर्ल्स हॉस्टल आई थी। वह सीएसजेएमयू में रेडियोलॉजिस्ट प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पांडुनगर चौकी इंचार्ज दीपक तिवारी के अनुसार रूम पार्टनर आराध्या मिश्रा ने बताया कि रविवार शाम कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने पलक धर को कई बार कॉल की और दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसके बाद मेस संचालक को पूरे मामले की जानकारी दी। इसके वार्डन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने दरवाजा तोड़ा तो पंखे से दुपट्टे के सहारे पलक का शव लटक रहा था। पूछताछ में पता चला है कि छात्रा को अवसाद और एंजाइटी की समस्या थी। उसकी छोटी बहन दीप्ति बिठूर में रहकर पढ़ाई कर रही है। परिजनों को घटना की जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। काकादेव इंस्पेक्टर राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि परिजनों को सूचना दी गई है।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी कि बैठक में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन का निर्णय

» सरकार कि उदासीनता के चलते आत्महत्या कर रहे दिव्यांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी कि बैठक आज शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क बगिया में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी कार्यालय पर 15 सितम्बर को प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि नौकरी रोजगार स्वास्थ शिक्षा सुरक्षा रोटी कपड़ा और मकान कि सौ फीसदी गारंटी के लिए समाजिक समानता कानून बनाने, लेखपाल व मुख्य सेविका अभ्यर्थियों को नौकरी देने, पेंशन पांच हजार रुपए करने, अन्त्योदय आयुष्मान कार्ड बनाने, आवास कि सुविधा देने की मांग की गई है। उत्तर प्रदेश में दिव्यांग उत्पीड़न कि बढ़ती घटनाओं कि निन्दा कि गयी और सरकार कि उदासीनता के चलते आत्महत्या कर रहे दिव्यांगों के परिजनों दो करोड़ रूपए का मुआवजा देने कि मांग कि गयी।

मांग पत्र में सरकारी नौकरियों में चलन क्रिया के दिव्यांगों कि श्रेणियों चिन्हांकित करने कि मांग कि गयी। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों कि मांगों को पूरा नहीं करती है तो जल्द प्रदेश व्यापी आन्दोलन मुख्यमंत्री के कार्यालय में किया जाएगा।

बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, गुड्डी दीक्षित, अरविन्द सिंह, वैभव दीक्षित, गोमती वर्मा, गौरव कुमार, रंजीत कुमार, सरला आदि शामिल थे।

विधायक के कमिशन वाले बयान के खिलाफ कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी के 10 प्रतिशत कमीशन लेने के कबूलनामे के विरोध में किदवई नगर विधानसभा के जूही क्षेत्र में कांग्रेसजनों ने अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में गांधी टोपी पहन के रामधुन गाते हुए जनता के बीच टूटी सड़कों के पास हस्ताक्षर अभियान चलाते हुए कहा कि यदि आप विधायक के बयान को भ्रष्टाचार मानते हैं, यदि आप विधायक द्वारा कमिशन लेने को किदवई नगर में विकास ठप्प पड़े रहने और टूटी गड्ढे सड़कों का कारण मानते हैं और यदि आप विधायक से 8 वर्ष का कमिशन जो लगभग 4 करोड़ रुपया होता है, वो राजकोष में वापिस चाहते हैं तो हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा बनें, जिस पर क्षेत्रीय लोगों ने भारी तादाद में हस्ताक्षर किया।कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि यह कानपुर के लाखों लोग, प्रदेश के करोड़ों लोग,देश के अरबों लोग के लिए शर्मनाक है कि एक विधायक खुलेआम कह रहे हैं कि मैं 10 प्रतिशत कमिशन लेता हूं।हज़ारों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, सेना के वीर शहीदों, शहीद पुलिस कर्मियों की शहादत का यह अपमान है जो देश को ईमानदार संसदीय सरकार देना चाहते हैं।अध्यक्ष पवन गुप्ता, अतीक अहमद, प्रतिभा अटल पाल, दीपक त्रिवेदी बल्ली, सीता अग्निहोत्री, पूजा भारद्वाज, रौशनी चौधरी, अजय प्रकाश तिवारी, अनुराग गुप्ता, कमला कांत तिवारी, राज सागर, राजेश पांडे, विनय बाजपई, हिमांशु अवस्थी, पंकज मिश्रा, अशफाक अहमद, मुश्ताक सोलंकी, आनंद शर्मा, लखन गुप्ता, विकास सोनकर, पदम मोहन मिश्रा, राकेश साहू, धर्मेंद्र चौहान, मो नईम, संदीप शुक्ला, सुनील साहु, राम शंकर राय, उपेन्द्र यादव, मो आरिफ सिद्दीकी, रहबर अली, उमाशंकर तिवारी, जावेद उस्मानी, मुकेश कन्नौजिया, दिनेश चौधरी, अजय त्रिपाठी, नागेंद्र यादव, अरुण कुमार, अजीत कुमार, इजहारुल अंसारी आदि थे।

रोमांस में रोड़ा बन रहे पति की हत्या कर शव को दफनाया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में प्रेम और विश्वासघात की ऐसी खौफनाक कहानी सामने आई है, जिसे सुनकर लोग दंग रह गए। यहां एक पत्नी ने अपने भांजे के साथ अवैध संबंधों को छुपाने और रास्ते की रुकावट हटाने के लिए अपने ही पति की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बगीचे में दफनाया गया और उस पर 12 किलो नमक डालकर सच को मिट्टी में दबाने की साजिश रची गई। उसने पति को चाय में नशीली दवा दी और फिर भांजे के साथ मिलकर उसका सिर कुचल दिया।

पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है और खुदाई के बाद शव को बरामद कर लिया है।जानकारी के मुताबिक 50 साल के शिवबीर सिंह मूल रूप से बांदा के रहने वाले थे और गुजरात में नौकरी करते थे। 20 साल पहले उन्होंने वाराणसी की लक्ष्मी से लव मैरिज की थी। उनके तीन बच्चे हैं। छह साल पहले शिवबीर पत्नी और बच्चों के साथ अपने गांव सचेंडी के लालूपुर आ गए। गांव में मकान न होने के कारण उनके भांजे अमित ने उन्हें अपने घर के सामने जगह दी, जहां शिवबीर परिवार के साथ झोपड़ी बनाकर रहने लगे।

नवंबर 2024 में हुई थी हत्या, अगस्त 2025 में गुमशुदगी का मुकदमा और अब खुलासा

इसी दौरान अमित और उसकी मामी लक्ष्मी के बीच अवैध संबंध बन गए। जब ग्रामीणों से शिवबीर को अपनी पत्नी और भांजे के संबंधों का पता चला, तो वह शराब पीकर लक्ष्मी के साथ मारपीट करने लगा। लक्ष्मी ने पति को रास्ते से हटाने के लिए भांजे अमित के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। 1 नवंबर 2024 की रात लक्ष्मी ने पूरे परिवार को चाय में नशीली गोलियां मिलाकर पिला दी।

जब सभी बेसुध हो गए तो लक्ष्मी ने अमित को बुलाया। अमित ने शिवबीर के सिर पर साबड़ से वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों ने शव को घर से लगभग 500 मीटर दूर हरिपाल और देवपाल के बगीचे में दफना दिया। शव को जल्दी गलाने के लिए उन्होंने उस पर 12 किलो नमक भी डाला था।

सुबह जब बच्चे सोकर उठे और उन्होंने पिता के बारे में पूछा, तो लक्ष्मी ने बताया कि उन्हें नौकरी के लिए फोन आया था और वह देर रात गुजरात के लिए निकल गए। शिवबीर का बड़ा बेटा आनंद नौकरी के लिए राजस्थान चला गया था। वह अपनी मां लक्ष्मी से कई बार पिता के बारे में पूछता रहा, लेकिन लक्ष्मी हर बार टालमटोल करती रही। रक्षाबंधन पर जब आनंद घर आया और उसने पिता को साथ लाने की बात कही, तो लक्ष्मी ने कहा कि दो महीने से उसकी शिवबीर से बात नहीं हुई है।

शिवबीर की मां सावित्री देवी को शुरू से ही बहू और भांजे के रिश्ते पर शक था। जब बेटा अचानक गायब हुआ और फोन भी बंद हो गया तो उन्होंने थाना चौकी का दरवाजा खटखटाया। लेकिन पुलिस ने 'गुजरात चला गया होगा' कहकर मामला टाल दिया। सावित्री देवी थाने से लेकर पुलिस अधिकारियों के दफ्तर तक चक्कर लगाती रहीं। बेटे की गुमशुदगी की एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई।करीब 10 महीने बाद, 19 अगस्त 2025 को सावित्री देवी ने हार न मानते हुए सीधे पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। तब जाकर सचेंडी थाने में केस दर्ज हुआ।

पुलिस ने जांच शुरू की और सबसे पहले लक्ष्मी के मोबाइल की कॉल डिटेल्स निकालीं। उसमें खुलासा हुआ कि पति के गुम होने के बाद से वह लगातार भांजे अमित से बात कर रही थी।

जब अमित को उठाया गया और कड़ाई से पूछताछ हुई तो उसने सब उगल दिया फिर लक्ष्मी को थाने बुलाकर पूछताछ की गई और उसने भी अपना गुनाह कबूल कर लिया।लक्ष्मी की निशानदेही पर पुलिस ने उसी बगीचे में खुदाई कराई जहां शव को दफनाया गया था। करीब 311 दिन बाद जमीन से हड्डियाँ, कपड़े और अन्य सामान बरामद हुए। मृतक के कपड़ों की पहचान उसके बेटे ने की। फॉरेंसिक जांच के लिए अवशेष भेजे गए हैं। पुलिस ने लक्ष्मी और अमित दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला कल्याण विभाग कानपुर द्वारा पॉस्को अधिनियम पर किया गया जागरूकता कार्यक्रम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के अंतर्गत सितंबर माह में 10 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के तहत दयानंद गर्ल्स महाविद्यालय में महिला कल्याण विभाग कानपुर द्वारा पॉस्को अधिनियम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिला कल्याण विभाग से जिला मिशन समन्वयक मोनिका यादव उपाध्याय ने पॉस्को अधिनियम के अंतर्गत बाल सभा, बाल विवाह, बाल यौन शोषण की रोकथाम, बच्चों के अधिकार पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम के बारे में बताया गया।

जिसमें संक्षेप में, बाल सभाएँ न केवल बच्चों को ज्ञान और कौशल प्रदान करती हैं, बल्कि समुदायों में बाल संरक्षण के प्रति एक मजबूत और सहभागी दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं, जो बाल विवाह और बाल शोषण जैसी हानिकारक प्रथाओं को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।

साथ ही महिला हेल्पलाइन नंबर और पॉक्सो अधिनियम पर प्रकाश डाला गया। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर एवं टोल फ्री नंबरों का कब और कैसे प्रयोग करना चाहिए, पंपलेट वितरण कर छात्र-छात्राओं को विशेष जानकारी दी गई।कार्यक्रम मे महिला कल्याण विभाग से जेंडर स्पेशलिस्ट शैल शुक्ला एवं रागनी श्रीवास्तव और विद्यालय से निदेशक प्रो अर्चना वर्मा प्रधानाचार्य, प्रो वंदना निगम, विद्यालय मिशन शक्ति से डॉ संगीता सिरोही, नूर खान व अन्य शिक्षिकाएं आदि उपस्थित रहे।

टीईटी को लेकर अटेवा ने सासंद देवेंद्र सिंह भोले व विधायक सुरेंद्र मैथानी को दिया ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शिक्षकों/कर्मचारियों के संगठन अटेवा ने जिला अध्यक्ष नीरज तिवारी तथा जिला महामंत्री सुनील कुमार बाजपेयी के नेतृत्व में शिक्षकों ने सांसद देवेन्द्र सिंह 'भोले' व विधायक सुरेंद्र मैथानी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें प्रधानमंत्री से निवेदन करने का अनुरोध किया गया है कि वह एनसीटीई की दिनांक 9/8/17 को जारी आरटीई एक्ट में संशोधन की अधिसूचना जिसमें कहा गया है कि सभी शिक्षकों पर समान पात्रता के नियम लागू होंगे चाहे वह एक्ट के लागू होने से पहले से ही कार्यरत क्यों ना हो को निरस्त कराने का काम करें।जिला महामंत्री सुनील बाजपेयी ने बताया कि शिक्षक समुदाय में टेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश जो एनसीटीई द्वारा आरटीई एक्ट में संशोधन के कारण आया है से गहरा असंतोष और रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार एक्ट में संशोधन करके शिक्षकों को राहत नहीं देती तो अटेवा /एन एम ओ पी एस राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।प्रदेश संयुक्त मंत्री अखिलेश यादव ने कहा 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षक, जिनकी नियुक्ति उस समय की नियमावली और शैक्षिक योग्यताओं के आधार पर वैध रूप से हुई थी, अब अपने भविष्य को लेकर असमंजस और असुरक्षा की स्थिति में हैं।

मंडलीय मंत्री डॉ यतीन्द्र शर्मा का कहना है कि जब शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी, उस समय टेट की कोई अनिवार्यता नहीं थी। उन्होंने निर्धारित योग्यता के आधार पर चयन प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी नियुक्ति पाई थी। ऐसे ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में कार्यरत वरिष्ठ शिक्षकों के लिए इस उम्र में फिर से परीक्षा देना न केवल चुनौतीपूर्ण है, बल्कि उनके आत्मसम्मान को भी ठेस पहुँचाने वाला है।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से नीरज तिवारी, सुनील बाजपेयी, डॉ यतींद्र शर्मा, अखिलेश यादव, अक्षय कुमार, कुलदीप यादव, सुयश शुक्ला, मोहन मुरारी, वीरेंद्र सिंह, तेज बहादुर, नारायण तिवारी, अनूप कुमार, अजय पाल, विजय बहादुर, ऋचा सिंह, गायत्री सिंह, बीनू दीक्षित, आदित्य अवस्थी, शशि कान्त, अनिल चौबे आदि सैकड़ों शिक्षक/शिक्षिकाये उपस्थित रहे।

एशिया कप के चार सितारे ग्रीनपार्क में करेंगे शिरकत

कानपुर। ग्रीन पार्क स्टेडियम में आठ साल बाद वनडे क्रिकेट का रोमांच लौटने जा रहा है। 30 सितंबर से शुरू होने वाली भारत-ऑस्ट्रेलिया ए की तीन मैचों की सीरीज के लिए रविवार को बीसीसीआई ने टीम की घोषणा कर दी। पहले वनडे में टीम की कमान रजत पाटीदार संभालेंगे जबकि दूसरे और तीसरे वनडे के लिए एशिया कप में धमाल मचा रहे तिलक वर्मा को कप्तान बनाया गया है।बीसीसीआई ने इस सीरीज के लिए एशिया कप में शामिल चार भारतीय खिलाड़ियों को दूसरे और तीसरे वनडे में जगह दी है। इनमें अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, अर्शदीप सिंह और रियान पराग प्रमुख हैं। इनका प्रदर्शन आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे (18 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज) से पहले अहम माना जा रहा है।कयास लगाए जा रहे थे कि दर्शकों को आकर्षित करने के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली को टीम में शामिल किया जा सकता है लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस पर विराम लगा दिया। हालांकि, तिलक वर्मा, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, हर्षित राणा, प्रभसिमरन सिंह और रजत पाटीदार जैसे सितारे निश्चित रूप से दर्शकों को स्टेडियम तक खींच लाएंगे

रामपुर चकमार्ग पर हटाया गया अवैध कब्जा, चला बुलडोज़र

» बीपीएस न्यूज

कानपुर, घाटमपुर। थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रकरण के क्रम में शनिवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रामपुर ग्राम, थाना सजेती, तहसील घाटमपुर स्थित चकमार्ग से अवैध कब्जा हटाया। गाटा संख्या 333, क्षेत्रफल 1460 वर्गमीटर पर होटल मालिक अशोक सिंह द्वारा बनाए गए ज़ीने और हमीरपुर निवासी बिल्डर फैजान अली आदि द्वारा खड़ी की गई दीवार को बुलडोज़र से ध्वस्त कर मार्ग को मुक्त कराया गया।

उपजिलाधिकारी घाटमपुर की मौजूदगी में राजस्व और पुलिस टीम ने पूरी कार्यवाही अंजाम दी। कब्जा मुक्त कराए गए रास्ते को ग्राम प्रधान को सुपुर्दगी में दे दिया गया है, ताकि ग्रामीणों के लिए रास्ते का निर्माण कराया जा सके।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार कब्जेदारों को राजस्व निरीक्षक और लेखपाल द्वारा कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन न मानने पर कठोर कार्रवाई करनी पड़ी। कार्रवाई के दौरान शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उपजिलाधिकारी और थाना प्रभारी स्वयं मौके पर मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने रास्ता खुलने पर राहत की सांस लेते हुए प्रशासन का आभार जताया। उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि सार्वजनिक मार्ग आमजन और किसानों के आवागमन का साधन होता है। इस पर किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति या बिल्डर द्वारा कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बाबा बड़े दयालू हैं ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू हैं

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल प्रबंधक

माधुरी पटेल डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पता:- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders

ABDOMINAL BELT WARM BAG CARE-TEX OUR MISSION IS PATIENT CARE ORDER ONLINE ON amazon

COMPRESSOR NEBULIZER ARM SLING POUCH WRIST BAND THERMOMETER WRIST BINDER

STETHOSCOPE SOFT CERVICAL COLLAR KNEE CAP ELBOW SUPPORT

ARUN KUMAR ASTHANA

arunasthana32@gmail.com

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur

Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Sahu Ji Maharaj Restaurant

Since:1992

राजसी ठाट देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506 9792526852

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।